हरिभूमि
भिवानी-दादरी भूमि
रोहतक, सोमवार 4 मई 2026

9 भिवानी बना आस्था का केंद्र महाअनुष्ठान में उमड़ा सैलाब

10 मार्केट रेट से दोगुना मुआवजा दिलाने की

सात केंद्रों पर 3817 परीक्षार्थियों ने दिया पर्चा, चप्पे-चप्पे पर तैनात रही पुलिस

महिला परीक्षार्थियों के बाले और बालों की चिमटियां उतरवाईं

नीट परीक्षा में सुरक्षा व्यवस्था चाक चौबंद, उतरवाए जूते और जुराबें

हरिभूमि न्यूज ▶▶| भिवानी

रविवार को नीट परीक्षा को लेकर जबरदस्त सुरक्षा व्यवस्था रही। परीक्षा केंद्रों के इर्द गिर्द पुलिस का सख्त पहरा रहा। जबरदस्त जांच पड़ताल के बाद ही परीक्षार्थियों को परीक्षा केंद्र में प्रवेश मिल पाया। दूसरी तरफ परीक्षार्थियों के परीक्षा केंद्रों के बाहर जूते व जुराबें निकलवाई और हाथों में बंधे कलावे (नाल)को कटवाया और कई परीक्षार्थियों ने अपने आप नाल को खोला।

इनके अलावा परीक्षार्थियों की बेल्ट,महिलाओं के कानों के बाले, व बालों में लगी चिमटियों को हटवाया गया । परीक्षार्थियों की जांच पड़ताल पूरी होने के बाद ही परीक्षार्थियों को परीक्षा केंद्रों में प्रवेश मिल पाया। उल्लेखनीय है कि भिवानी शहर में सात स्कूलों में परीक्षा केंद्र स्थापित किए गए थे। जिन पर करीब 3817 परीक्षार्थियों ने परीक्षा देने के लिए पहुंचे। परीक्षा के लिए परीक्षार्थियों को दोपहर 12 बजे परीक्षा भवन में प्रवेश देने का कार्य शुरू हो पाया। दोपहर दो बजे से लेकर शाम पांच बजे तक परीक्षा का आयोजन हुआ। परीक्षार्थियों को परीक्षा भवन तक पहुंचने के लिए कई प्रक्रियाओं से गुजरना पड़ा।

हर चौराहे पर तैनात रही पुलिस

नीट की परीक्षा शुरू होने से पहले ही हर चौक व चौराहे पर पुलिस ने अपनी ड्यूटी संभाल ली थी। खासकर यातायात पुलिस ज्यादा सक्रिय रही। पुलिस ने किसी भी चौक पर जाम की स्थिति नहीं बनने दी। अगर किसी वाहन चालक ने वाहन को लाइन तोड़कर बीच में लाने का प्रयास किया तो उसको तत्काल रोक दिया गया। इसी तरह परीक्षा केंद्रों के बाहर व भीतर भी इसी तरह की व्यवस्था बनी रही। परीक्षा केंद्रों के बाहर पुलिस तैनात रही। इस दौरान पल पल की जानकारी लेने के लिए पुलिस अधिकारी परीक्षा केंद्रों पर पहुंचते रहे। इनके अलावा परीक्षा केंद्रों के निरीक्षण के लिए उड़नदस्ते निरीक्षण करते देखे गए।

सबसे पहले मुख्य गेट पर परीक्षार्थियों के एक रोलनम्बर तथा दूसरी आइडी देखने के बाद ही परीक्षार्थी को परीक्षा भवन में प्रवेश मिला। उसके बाद परीक्षार्थी के हाथों में बंधे धागे, महिलाओं के कानो की बाली तथा बालों में लगी चिमटियों को वहीं पर खुलवाया गया। इनके अलावा छात्रों के जूते व जुराब उतरवा कर तलाशी ली। बेल्ट व हाथों में बंधे नाल को कटवाया गया। परीक्षार्थियों की परीक्षा केंद्रों के भीतर बायोमेटीक मशीन से हाजिरी लगवाई गई।

जाम की स्थिति बनी

शाम को जिस वक्त परीक्षा खत्म हुई तो उस वक्त शहर की सड़कों पर शहर के लोगों के वाहनों के अलावा परीक्षार्थियों के साथ आए अभिभावकों के वाहनों की वजह से सड़कों पर भीड़ बढ गई। एकबारगी तो शहर के चौक व चौराहों पर जाम की स्थिति बन गई,लेकिन यातायात पुलिस की मुस्तैदी के चलते कुछ ही देर बाद जाम की स्थिति की बजाए वाहनों का आवागमन शुरू हो गया। इस तरह की स्थिति करीब आधे घंटे तक बनी रही। उसके बाद सुचारू रूप से वाहनों का आवागमन शुरू हो पाया और लोगों ने राहत की सांस ली।

बाढ़ड़ा। आंधी से पेड़ टूटे और बिजली के खंभे-ट्रांसफार्मर गिरे।

तेज आंधी से बिजली के पोल टूटे दो ट्रांसफार्मर गिरे, बत्ती रही गुल

हरिभूमि न्यूज ▶▶| बाढड़ा

■ सूचना मिलने पर बिजली विभाग की टीम मौके पर पहुंची व मरम्मत कार्य किया

क्षेत्र में शनिवार रात्रि को आई तेज आंधी और तूफान ने व्यापक नुकसान पहुंचाया। अचानक बदले मौसम के चलते तेज हवाओं ने पूरे इलाके को अपनी चपेट में ले लिया, जिससे जनजीवन बुरी तरह प्रभावित हुआ। आंधी की रफ्तार इतनी तेज थी कि करीब 12 बिजली के पोल टूटकर गिर गए, जबकि दो बिजली ट्रांसफार्मर भी धराशायी हो गए। इसके कारण कई गांवों की बिजली आपूर्ति पूरी तरह बाधित हो गई और क्षेत्र में अंधेरा छा गया। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार तूफान के दौरान पेड़ बुरी तरह झुक गए और कई स्थानों पर टीन शेड, झोपड़ियां तथा अन्य हल्की संरचनाएं क्षतिग्रस्त हो गईं।

बिजली के पोल गिरने से तार टूटकर सड़कों और खेतों में फैल गए, जिससे लोगों में भय का माहौल बन गया। ग्रामीणों ने एहतियात के तौर पर अपने घरों से बाहर निकलने से भी परहेज किया। घटना की सूचना मिलते ही बिजली विभाग की टीम तुरंत मौके पर पहुंची और मरम्मत कार्य शुरू कर दिया। विभाग के एसडीओ राम सिंह ने बताया कि तेज आंधी के कारण 12 पोल और दो ट्रांसफार्मर गिर गए हैं। उन्होंने कहा कि कुछ लाइनों पर बिजली आपूर्ति बहाल कर दी गई है, जबकि बाकी क्षेत्रों में काम तेजी से जारी है और जल्द ही स्थिति सामान्य करने का प्रयास किया जा रहा है।इस घटना के बाद ग्रामीणों ने प्रशासन से मांग की है कि बिजली व्यवस्था को जल्द से जल्द दुरुस्त किया जाए। साथ ही भविष्य में इस प्रकार की घटनाओं से बचाव के लिए मजबूत और टिकाऊ ढांचे तैयार किए जाएं, ताकि प्राकृतिक आपदाओं के दौरान नुकसान को कम किया जा सके।

दमकल कर्मियों की भूख हड़ताल 9वें दिन भी रही जारी

सरकार की हठधर्मिता के खिलाफ सर्व कर्मचारी संघ ने संभाला मोर्चा

हरिभूमि न्यूज ▶▶| भिवानी

प्रदेश में दमकल विभाग के कर्मचारियों का आंदोलन अब निर्णायक मोड़ पर पहुंच गया है। अपनी जायज मांगों और शहीदों को सम्मान दिलाने की लड़ाई लड़ रहे फायर ब्रिगेड कर्मचारियों की हड़ताल रविवार को 26वें दिन में प्रवेश कर गई, जबकि क्रमिक भूख हड़ताल का 9वां दिन रहा। सरकार की कथित संवेदनहीनता से गुस्साए सर्व कर्मचारी संघ के जिला पदाधिकारियों ने खुद कमान संभालते हुए भूख हड़ताल पर बैठने का निर्णय लिया। रविवार को धरने की शुरुआत भावुक और जोश भरे माहौल में हुई। कामरेड ओमप्रकाश ने भूख हड़ताल पर बैठने वाले पदाधिकारियों को फूल-मालाएं पहनाकर उनके संघर्ष को नमन किया। इस दौरान भूख हड़ताल पर सर्व कर्मचारी संघ के जिला प्रधान सुमेर सिंह आर्य, जिला सचिव धर्मवीर भाटी, राज्य सचिव अशोक पिलानिया, सह सचिव जोगेंद्र सिंह पिलानिया व देवेंद्र श्योराण बैठेरू।

धरने को संबोधित करते हुए जिला वरिष्ठ उप प्रधान सूरजभान जटासरा ने सरकार की दोहरी नीति पर तीखा प्रहार किया। उन्होंने फरीदाबाद अग्निकांड का जिक्र करते हुए कहा कि फरीदाबाद में आग बुझाते समय फायर कर्मचारी भवीचंद शर्मा और रणवीर सिंह ने शहादत दी, साथ ही एक पुलिसकर्मी भी शहीद हुआ। सरकार ने पुलिसकर्मी को एक करोड़ रुपये मुआवजा, सरकारी नौकरी और शहीद का दर्जा दिया, जो सराहनीय है। लेकिन फायर कर्मचारियों के लिए केवल 20 लाख रुपये का प्रावधान। क्या उनकी जान की कोई कीमत नहीं है, यह भेदभाव दमकल विभाग के मनोबल को तोड़ने वाला है।

11 वर्षीय मंदबुद्धि बालक को मात्र 2 घंटे में सकुशल बरामद किया

चरखीदादरी। पुलिस अधीक्षक लोगेश कुमार के दिशा-निर्देशों तथा थाना झोझू कलां प्रभारी एसआई दिलबाग सिंह के कुशल मार्गदर्शन में झोझू कलां पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए एक 11 वर्षीय मंदबुद्धि बालक को मात्र 2 घंटे के भीतर सकुशल बरामद कर सराहनीय कार्य किया है। पुलिस प्रवक्ता ने बताया कि झोझू कलां से 11वर्षीय हरषु घर से लापता हो गया था। जो मानसिक रूप से कमजोर है तथा बोलने में भी असमर्थ है। बालक के गायब होने की सूचना मिलते ही पुलिस प्रशासन हरकत में आया और मामले की गंभीरता को देखते हुए तत्काल खोजबीन शुरू कर दी गई। थाना झोझू कलां पुलिस की टीम ने एएसआई सुरेंद्र मोहन के नेतृत्व में विभिन्न संभावित स्थानों पर तलाशी अभियान चलाया। साथ ही पुलिस ने आधुनिक तकनीक और सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म्स का प्रभावी उपयोग करते हुए बालक की सूचना व्यापक स्तर पर प्रसारित की, जिससे आमजन का भी सहयोग प्राप्त हुआ। पुलिस टीम की मुस्तैदी और सोशल मीडिया के माध्यम से मिली अहम सूचना के आधार पर बालक को गांव पिचोंपा खुर्द से उसकी साइकिल सहित सकुशल बरामद कर लिया गया। यह पूरी कार्रवाई मात्र 2 घंटे के भीतर सफलतापूर्वक पूरी की गई। बालक के बरामद होने के बाद पुलिस टीम ने औपचारिकताएं पूरी करते हुए उसे सुरक्षित अपने संरक्षण में लिया। तत्पश्चात बालक को उसके परिजनों के सुपुर्द करने की प्रक्रिया पूरी की जा रही है। बालक के सकुशल मिलने पर उसके परिजनों ने पुलिस प्रशासन का आभार व्यक्त किया।

आंधी-तूफान से बिजली व्यवस्था चरमराई, कर्मचारी बहाली में जुटे

हरिभूमि न्यूज ▶▶| बवानीखेड़ा

बवानीखेड़ा क्षेत्र में शनिवार देर शाम व रविवार को आए तेज आंधी-तूफान ने जनजीवन को प्रभावित कर दिया। तेज हवाओं और धूलभरी आंधी के कारण कई गांवों और कस्बों में बिजली आपूर्ति बाधित हो गई। मौसम के अचानक बदले मिजाज ने जहां लोगों को गर्मी से राहत दी, वहीं बिजली कटौती ने परेशानी भी बढ़ा दी।

तेज हवाओं के चलते कई स्थानों पर बिजली के खंभे और तार प्रभावित हुए, जिससे फॉल्ट की स्थिति उत्पन्न हो गई। हालात की गंभीरता को देखते हुए बिजली निगम ने एहतियात के तौर पर कई फीडरों को अस्थायी रूप से बंद कर दिया, ताकि किसी प्रकार की बड़ी दुर्घटना से बचा जा सके। बिजली निगम के कर्मचारियों और तकनीकी टीमों को तुरंत मौके पर भेजा गया, जो देर रात तक मरम्मत कार्य में जुटे रहे। कर्मचारियों ने तेज हवाओं के बीच जोखिम उठाकर क्षतिग्रस्त लाइनों को दुरुस्त करने का प्रयास किया। विभाग के अधिकारियों ने बताया कि प्राथमिकता के आधार पर प्रभावित क्षेत्रों में बिजली बहाल करने का कार्य जारी है।स्थानीय निवासियों ने बताया कि बिजली गुल होने के कारण पानी की सप्लाई और दैनिक कार्यों में काफी दिक्कतों का सामना करना पड़ा। खासकर रात के समय अंधेरे के कारण लोगों को परेशानी हुई। बिजली विभाग ने लोगों से अपील की है कि वे टूटे हुए बिजली तारों से दूर रहें और किसी भी प्रकार की समस्या की सूचना तुरंत विभाग को दें। विभाग के उपमंडल अभियंता राजेन्द्र कुमार ने बताया कि मौसम सामान्य होते ही सभी क्षेत्रों में जल्द ही बिजली आपूर्ति बहाल कर दी जाएगी।

> बिजली निगम ने एहतियात के तौर पर कई फीडरों को अस्थायी रूप से बंद कर दिया
>
> बिजली गुल होने के कारण पानी की सप्लाई और दैनिक कार्यों में काफी दिक्कतों का सामना करना पड़ा

नई सोच-नया शहर, स्वच्छता का आएगा पहर : संदीप

नप और सामाजिक संगठनों ने चलाया सफाई अभियान

■ हुडा पार्क के प्रवेश गेट और पार्क के के अंदर नगरपरिषद ने की सफाई

हरिभूमि न्यूज ▶▶| भिवानी

रविवार को नगरपरिषद, प्रशासन व सामाजिक संगठनों ने नगरपरिषद के वार्ड संख्या दो के पार्षद संदीप यादव की अगुवाई में नई सोच नया शहर के तहत स्वच्छता अभियान का श्रीगणेश करवाया गया। इस मौके पर सीएम के जीजीए ऋषभ तथा नगरपरिषद के सेंटरी इंस्पेक्टर विकास भी मौजूद रहे।

सबसे पहले हुडा पार्क के प्रवेश गेट पर सफाई की और पार्क के अंदर भी पर नगरपरिषद के अलावा सामाजिक संगठनों ने अभियान चलाकर सफाई की। साथ में सम्पर्क में आए लोगों को भी सफाई अभियान को आगे बढाने का आह्वान किया। नप की तरफ से इस तरह का अभियान करीब 20 दिनों तक शहर के प्रत्येक वार्ड में चलाया जाएगा। इस अभियान के तहत शहर की सफाई व्यवस्था को पंख लग जाएंगे। साथ ही तीन सप्ताह तक चलने वाले इस तरह के अभियान से शहर के लोगों में स्वच्छता के प्रति जागरूकता भी आएगी। यहां यह बताते चले कि यह अभियान एक मई से शुरू किया गया था और आज अभियान वार्ड संख्या दो में स्थित हुडा पार्क से शुरू किया गया है। यह लगातार 20 दिनों तक चलाया जाएगा। इस दौरान लोगों को सफाई व स्वच्छता के प्रति जागरूक किया जाएगा । ताकि शहर को सुंदरता व स्वच्छता में बेहतरीन रैंक दिलाया जा सके।

सड़कों की बजाए गाड़ियों में डाले कूड़ा

इस दौरान उक्त अभियान के तहत कोई व्यक्ति उनके सम्पर्क में आया तो उसको यही संदेश दिया कि अपने घरों के अलावा अपने आसपास सफाई बनाए रखे। कचरा को सड़कों पर फेंकने की बजाए गाड़ियों में डाले। गिले व सूखे कचरे को अलग अलग से डाले। ताकि शहर को पूरी तरह से साफ व सूथरा रखा जा सके। इस दौरान लोगों को यह भी बताय कि पॉलीथिन का प्रयोग न करे। उसकी जगह कपड़े या अन्य चीजों से बने थैले का ही प्रयोग करें। इनके प्रयोग के बाद इनको डस्टबीन में डाले। पार्क व अन्य जगहों पर चीजें खाने के बाद जो कचरा निकलता है। उसको भी डस्टबीन में ही डाले। कभी भी खुद के अलावा अन्य लोगों को भी ईधर व उधर कचरा न फेंकने दे।

घर में चोरी की वारदात में शामिल चौथे आरोपी को किया गिरफ्तार

हरिभूमि न्यूज ▶▶| तोशाम

वारदात के समय पीड़ित परिवार के साथ इलाज के लिए झज्जर स्थित अस्पताल में थे भर्ती

पुलिस अधीक्षक भिवानी सुमित कुमार के दिशा-निर्देशानुसार जिला पुलिस द्वारा घरों में चोरी की वारदातों में शामिल आरोपियों के विरुद्ध लगातार प्रभावी कार्रवाई की जा रही है। इसी कड़ी में कार्रवाई करते हुए थाना तोशाम पुलिस ने गांव खानक में हुई चोरी की वारदात में शामिल चौथे आरोपी को गिरफ्तार करने में सफलता हासिल की है।

इस संबंध में शिकायतकर्ता अजीत निवासी गांव खानक ने थाना तोशाम में शिकायत दर्ज करवाई थी कि वह अपने परिवार के साथ इलाज के लिए झज्जर स्थित अस्पताल में भर्ती थे। इसी दौरान 13 अगस्त 25 को पड़ोसियों द्वारा सूचना दी गई कि उनके मकान का गेट खुला हुआ है। घर पहुंचकर देखा तो अज्ञात व्यक्तियों द्वारा मकान का ताला तोड़कर घर से सामान चोरी कर लिया गया था। शिकायत पर थाना तोशाम में संबंधित धाराओं के तहत अभियोग दर्ज किया गया। मामले में आगामी कार्रवाई करते हुए थाना तोशाम के सहायक उप निरीक्षक प्रह्लाद के नेतृत्व में पुलिस टीम ने न्यायालय से प्रोडक्शन वारंट हासिल कर चौथे आरोपी को गिरफ्तार किया।

गिरफ्तार किए गए आरोपी की पहचान शिवकुमार पुत्र संजय निवासी गांव खानक, जिला भिवानी के रूप में हुई है।

कहानी

डा. रमाकांता

युद्ध विभीषिका

वह हर फ्लैट में जाकर लोगों का हाल-चाल पूछ रहा था-किसी को दवा चाहिए, किसी को खाना, कोई अकेला तो नहीं। उसे लगता था कि ऐसे समय में सबसे बड़ी ताकत है एक-दूसरे का साथ।

युद्ध ने इन सब को इस छोटे से बंकर में एक-दूसरे से सट कर रहने को विवश कर दिया, जहां केवल बैठा ही जा सकता था। यहां किसी को किसी के धर्म से ईर्ष्या नहीं।

खाड़ी में बसे उस छोटे-से शहर पर शाम का धुंधलका धीरे-धीरे छा रहा था। दिखने में सब कुछ सामान्य था, लेकिन फिर भी किसी अनहोनी का संकेत प्रकृति दे रही थी। हवा में धूल कण सांसों को घोट रहे थे। सोसायटी में अजीब सा सन्नाटा था, और हर चेहरे पर डर की अदृश्य परत जमी हुई थी। अभी तक यह क्षेत्र शत्रु के निशाने से बचा हुआ था। आसपास के क्षेत्र में सब-कुछ मलियामेट हो चुका था। हर सुबह सकुशल उठ कर भगवान का धन्यवाद करते थे। पर पता नहीं, उस दिन मन में अजीब सी व्याकुलता थी। युद्ध कुछ दिनों के लिए थम चुका था। सीज़फायर लागू था-पर लोगों को मालूम था कि यह शांति अस्थायी है, जैसे तूफान के पहले की खामोशी।

दुश्मन की नीयत पर विश्वास नहीं जम रहा था। उस शहर की एक बहुमंज़िला इमारत में नरेश अपने परिवार के साथ रहता था। भारत से नौकरी के सिलसिले में वह वर्षों पहले उस शहर में आया था। उसके साथ पत्नी सुमन और आठ साल का बेटा आरव भी था। नरेश एक डिपार्टमेंटल स्टोर चलाता था और सुमन एक बड़े अस्पताल में सीनियर नर्स की नौकरी करती थी। गृहस्थी सुचारू रूप से चल रही थी किन्तु खाड़ी देशों में युद्ध छिड़ने के कारण पिछले कुछ दिनों से उनके जीवन में सब-कुछ बदल गया था। सब घर में कैद। स्कूल- दफ़्तर और बाजार सब बन्द। जीवन घर की चारदिवारी में जड़ हो गया था। हर समय बम हमले का भय, बचाव की योजना और आने वाला हर पल अनिश्चित। उसकी मंजिला इमारत में सभी धर्मों के लोग रहते थे। सभी अपने जीवन में मस्त थे। भाषा भिन्नता के कारण उनका आपस में संवाद शून्य के बराबर था। बस हाय-हैलो से काम चल जाता था। पर युद्ध की संकट बेला में सभी एक-दूसरे की मदद कर रहे थे। उस दिन सुबह से ही नरेश सोसायटी के लोगों के साथ खाने-पीने का सामान,पानी की बोतलें, सूखा राशन, बिस्कुट,दवाइयां, टॉर्च, बैट्री के सैल और विशेषकर गुड़ और भूने हुए चने अपने स्टोर से घर ले आया था।। अब वह संकट की हर घड़ी से निपटने को तैयार था। नरेश ने वर्षों पूर्व भारत में अपने दो पड़ोसी शत्रुओं के द्वारा थोपे गए तीन युद्ध-विभीषिका को झेला था। वह युद्धों की यादों से आज भी भयभीत है। आकाश में मंडराते बमवर्षक जहाज, लगातार बजते कानफोड़ सायरन, खंदकों की तरफ भागते लोग, रात का ब्लैक आऊट, अंधेरे में मोटे-मोटे मच्छरों का हमला, बगल में दबे रेडियो सैट से प्रसारित समाचार,नरेश को भूले नहीं थे। इस लिए उसने स्थिति से निपटने की अब पूरी तैयारी ली थी। नीचे पार्किंग में कुछ लोग इकट्ठा होकर सीज़फायर की चर्चा कर रहे थे।

"मुझे तो ये सीज़फायर भरोसे लायक नहीं लगता," एक बुजुर्ग बोले।

"सही कहा आपने," दूसरे ने हामी भरी, "दुश्मन कभी भी धोखा दे सकता है। ये सिर्फ तैयारी का समय है, भरोसे का नहीं।" तीसरे ने कहा- 'सीज़फायर से तो युद्ध ही ठीक है। कम से कम आर-पार की लड़ाई हो जाती है। एक ही बार तो मरना होता है। सीज़फायर में हम सब पल-पल मर रहे हैं। मौत का भय हरपल दम घोट रहा है। दोपहर में ही आकाश काले-काले विषैले धुएं से ढक जाता है। मेरी दादी को सांस लेने में दिक्कत होती है। हर समय लंबे -लंबे सांस लेती है'। उसकी बात सुनकर सब गंभीर हो जाते हैं। नरेश के मन में भी वही डर था, लेकिन वह अपने डर को चेहरे पर नहीं आने दे रहा था। उसने लड़के को सांत्वना देकर शांत किया। उसे भी तो अपने परिवार के लिए मज़बूत बने रहना था। वह हर फ्लैट में जाकर लोगों का हाल-चाल पूछ रहा था-किसी को दवा चाहिए, किसी को खाना, कोई अकेला तो नहीं। उसे लगता था कि ऐसे समय में सबसे बड़ी ताकत है एक-दूसरे का साथ। इसी दौरान उसकी नज़र तीसरी मंज़िल की बालकनी पर पड़ी। वहां एक वृद्ध महिला खड़ी थी। सफेद बाल, झुकी हुई कमर, और आंखों में गहरी थकान। वह अकेली खड़ी थी। नरेश ने उसे पहचान लिया। वह शाहिद की अम्मा फातिमा थी। नरेश को याद आया। कुछ दिन पहले अम्मा फातिमा को तेज बुखार हो गया था। तब सुमन ने ही उनको दवा लाकर दी थी। आजकल वह अकेली ही फ्लैट में रह रही थी। उनके बेटे-बहू कुछ दिन पहले ही शहर छोड़कर चले गए थे। उसे भी साथ ले जाने की बहुत जिद की, किंतु वह उनके साथ चलने को राजी नहीं हुई। यह उस के शौहर का घर था, जहां उनके जीवन की मिट्ठी यादें कैद थी।

'ये मेरा घर है मैं यहीं रहूँगी, मेरा मरना- जीना इसी घर में होगा।' उसे देखकर नरेश को अपने घर की कुछ पुरानी बातें याद आ गई। उसका दिल बैठ गया। उसने बिना देर किए सीढ़ियां चढ़नी शुरू की। हर कदम के साथ उसका मन और बेचैन हो रहा था। नरेश द्वारा फातिमा के घर का दरवाज़ा खटखटाने पर अंदर से धीमी आवाज़ आई-

"कौन? "अम्मा, मैं नरेश नीचे वाले फ्लैट से। जल्दी दरवाजा खोलो'। दरवाजा खुला। फ़ातिमा अम्मा ने उसे देखा और हल्की मुस्कान दी- "बेटा, सब ठीक है ना?" नरेश ने बिना घुमाए-फिराए कहा-"अम्मा, आप जल्दी नीचे मेरे साथ हमारे घर चलिए। अभी आप के लिए यहां अकेले रहना ठीक नहीं है। बंकर भी हमारे घर के पास है, कुछ हुआ तो हम तुरंत बंकर में पहुंच जाएंगे।" अम्मा ने धीरे से सिर हिलाया, "नहीं बेटा, मैं ठीक हूं। इतनी उम्र में कहां जाऊंगी?" नरेश ने थोड़ा दृढ़ होकर कहा, "अम्मा, ये जिद करने का समय नहीं है। आप मेरे साथ चलिए अभी।" उसकी आवाज़ में इतना प्यार,सच्चाई और चिंता थी कि अम्मा मना नहीं कर पाईं। उन्होंने एक छोटा-सा बैग उठाया और नरेश के साथ नीचे उसके घर आ गई आ गई। जैसे ही वे नीचे पहुंचे, अचानक आसमान में एक तेज़ आवाज़ गूंजी-धड़ाम!!! धड़ाम। एकदम धरती कांप उठी। मानो भूकंप आया हो। लोग चीखने लगे-भागो, हमला हमला शुरू हो गया!" चारों ओर अफरा-तफरी मच गई। सब बदहवास होकर बंकर की ओर भाग रहे थे। सीज़फायर टूट चुका था। इमारतें धूं-धूं कर जलने लगी थी। उस समय सुमन बराबर वाली सोसाइटी में एक महिला का प्रसव करवाने गई हुई थी। नरेश ने बिना एक पल गंवाए आरव का हाथ पकड़ा और फ़ातिमा अम्मा को सहारा देते हुए बंकर की ओर दौड़ पड़ा। चारों तरफ धूल, धुआं, चीखें और लगातार फटते बमों की भयंकर आवाज़ दिल दहला रही थी। हर कदम पर खतरा था, लेकिन नरेश का ध्यान सिर्फ एक चीज़ पर था-सबको सुरक्षित पहुंचाना। बंकर उनके घर से कुछ ही दूरी पर था। जैसे-तैसे वे वहां पहुंचे। अंदर पहले से ही कई लोग जमा थे। सब डरे हुए, सहमे हुए, लेकिन जिंदा थे। कुछ देर बाद जब बमबारी थोड़ी थमी, तो बाहर का नज़ारा भयावह था। उनकी इमारत का ऊपर का एक हिस्सा पूरी तरह क्षतिग्रस्त हो चुका था और वह हिस्सा वही था जहां फ़ातिमा अम्मा का फ्लैट था। वह दृश्य देखकर अम्मा की आंखों से आंसू बहने लगे।

'अगर मैं वहीं रहती तो?'

नरेश ने धीरे से कहा-"अम्मा, अब आप हमारे साथ हैं, बस यही जरूरी है।" अम्मा ने उसका हाथ अपने दोनों हाथों में थाम लिया और बोली-"तुमने आज मेरी जान बचाकर मुझ पर बड़ा अहसान किया है। अल्लाह तुमको लंबी उम्र बख्शे बेटा।" उस रात बंकर में बैठे-बैठे नरेश न जाने क्या-क्या सोचता रहा। लोग धर्म -जाति के नाम पर दिन- रात एक-दूसरे से लड़ते हैं, दंगे करते हैं। एक -दूसरे का गला काटते हैं। युद्ध ने इन सब को इस छोटे से बंकर में एक-दूसरे से सट कर रहने को विवश कर दिया, जहां केवल बैठा ही जा सकता था। यहां किसी को किसी के धर्म से ईर्ष्या नहीं। सब अपनी नमाज, पूजा-पाठ भूल गए थे। किसी में भी कोई दुराव नहीं। सभी आपस में प्यार से बातचीत में मग्न थे। तभी अम्मा को खांसी आ गई। नरेश ने अम्मा को पानी पिलाया और बैग में से कुछ बिस्कुट निकाल कर अम्मा तथा आरव को खाने को दिए। वह स्वयं गुड़-चना खाने लगा। अम्मा ने भी नरेश से खाने के लिए गुड़-चना लिए। बंकर में सभी एक दूसरे की मदद कर रहे थे। भोजन बांट-बांट कर खा रहे थे। सब बच्चे सो गए थे। शेष लोग सारी रात जागते रहे। पुनः बमबारी की आशंका से कोई भी बंकर से बाहर निकलने का साहस नहीं कर पा रहा था। सब सुबह का इंतजार करने लगे। युद्ध ने घर, चैन, सुरक्षा सबकुछ छीन लिए, लेकिन एक चीज़ अब भी बची हुई थी,वह थी 'मानवता'।

सुमन अपने बंकर में लौट आई थी। उसने बताया कि जोसेफ के घर एक बेटे ने जन्म लिया है। जच्चा -बच्चा दोनों स्वस्थ तथा सुरक्षित थे। अगले दिन जब हालात थोड़े सामान्य हुए, तो सोसायटी के लोग एक-दूसरे का हाल पूछ रहे थे। हर कोई नरेश की तारीफ कर रहा था, लेकिन वह बस मुस्कुरा रहा था। उसने जो किया, वह कोई वीरता नहीं थी-वह तो बस एक इंसान का कर्तव्य था। बस उसे संतोष था। चीन युद्ध में उसने अपनी दादी को खो दिया था। उस समय वह बहुत छोटा था। दादी के लिए कुछ कर नहीं पाया था। उसे अनुभूति हुई कि अम्मा के रूप में उसकी दादी उसे आशीर्वाद दे रही है। अचानक युद्ध समाप्त होने की घोषणा हो गई। सबने राहत की सांस ली। सब जीवन को पुनः व्यवस्थित करने में जुट गए। युद्ध सरहदों पर ही नहीं लड़ा जाता, वह इंसान के भीतर भी चलता है- डर और साहस के बीच, स्वार्थ और मानवता के बीच। सही समय पर लिया गया एक विवेकपूर्ण निर्णय न सिर्फ एक जीवन, बल्कि पूरी इंसानियत को बचा सकता है।

पुस्तक समीक्षा

मनमौजी कविताओं का संग्रह है चांद, प्रकृति और कवि

समीक्षक

डॉ. संतोष गर्ग 'तोष'

कविता संग्रह चांद, प्रकृति और कवि के लेखक सुनील मिनोचा की यह पहली पुस्तक है। मनभावन आवरण पृष्ठ और कवि की उत्कृष्ट सोच को पढ़कर ऐसा नहीं लगता कि यह कवि का पहला प्रयास है। इस काव्य संग्रह का जैसा नाम है, ठीक वैसे ही उनकी कविताएं प्रकृति के इर्द-गिर्द घूमती नजर आती हैं। सुनील मिनोचा योगाचार्य और लाफ्टर लीडर हैं, वैसे ही इनकी कविताएं आशावादी, सकारात्मक, उपदेशात्मक और प्रकृति के प्रति समर्पण की सोच व दृष्टि इस पुस्तक में प्रकाशित कविताओं में मिलती है। 'मैं जहां भी जाता हूं, एक आशा की किरण अपने साथ रखता हूं।' आरंभ में ही कितनी बड़ी बात लिखी है। संतों से उपदेश देती इनकी कविताएं:- 'हे प्राणी! जीवन है अनमोल, इसको घुट- घुट कर न रोल। मीठे बोल सभी को भाएं, मिश्री की तरह झट घुल जाएं।। कविताओं की भाषा शैली बड़ी ही सरल, सहज, सौम्य है। मानवता, दया, करुणा से भरी कविताएं इनके संवेदनशील हृदय के दर्शन करवाती हैं। रसोई की खिड़की, अदृश्य चांद, वो पल आदि रचनाएं भी पठनीय हैं। कुछ कविताओं को पढ़कर इनके बालपन का अंदाजा भी भली-भांति लगाया जा सकता है। इसी सोच को लेकर सुनील मिनोचा लिखते हैं कि आओ हम छोटे बच्चे बन जाएं, जो मंद- मंद हंसें और मुस्कुराएं, जिंदगी आसानी से कट जाए। कविताओं में होली का हुड़दंग है, त्योहारों की मस्ती है, बचपन की यादें हैं, गिद्धा- ढोलक, भंगड़ा है, ध्यान लगाने की विधि है, भोर का आनंद है, नारी शक्ति का विवरण है, सोए हिंदुओं को जगाने का आह्वान है, बुढ़ापे की चिंता और चिंतन हैं। इनकी रचनाएं सचेत करती हैं- घबराती नहीं, रुकने का नहीं बल्कि चलने का नाम लेती हैं। मंजिलों को छूने की बात करती हैं। दया- धर्म हृदय में रखते हुए विभिन्न सुगंध देती कविताएं हैं। कहीं पर्यावरण की, कहीं जल बचाने की चिंता है। कहीं ध्यान, प्राणायाम है और कहीं हंसते-हंसते योग है।

सुनील मिनोचा

कवि

धर्म परिवर्तन , राष्ट्रभक्ति, शहीदों की, पहाड़ों-पेड़ों और धरती की विनम्रता की भी बातें करती हैं। हम कह सकते हैं कि इनकी कविताओं में गंगा मैया की भांति बहते भाव हैं। सरिता की लहरों का कल-कल करता संगीत है, सच्चाई है। कुल मिलाकर सुनील मिनोचा का यह कहना भी सार्थक सिद्ध होता है कि लिखते- लिखते कवि बन बैठा। खुशियां कैसे और कहां-कहां ढूँढी जा सकती हैं, इस पुस्तक को पढ़ कर बड़ी आसानी से पाठक अपना जीवन खुशहाल बना सकते हैं। अंततः सुनील मिनोचा की पहली पुस्तक के प्रकाशन पर बहुत-बहुत बधाई व शुभकामनाएं देती हूं।

कवि कॉर्नर

ग़ज़ल — श्रीभगवान बव्वा

मिलना मिलाना

मिलना मिलाना क्यों चाहिए,
दिल को दुखाना क्यों चाहिए ।

जब नहीं पसंद हूं मैं उनको ,
ये आना जाना क्यों चाहिए ।

तेरी गोद में सर रख दूंगा ,
जन्नत में जाना क्यों चाहिए।

है तुझे पता तू हूर नहीं,
फिर भी इतराना क्यों चाहिए।

जब बात बन रही चुपके से,
सब पे गुर्राना क्यों चाहिए।

बसी दिलों में ख़ूब नफ़रतें,
ये हाथ मिलाना क्यों चाहिए ।

सुन नहीं पाते, जहां धड़कन,
नज़में सुनाना क्यों चाहिए ।

कविता — सत्यप्रकाश बलेवा 'साम '

व्यंग्य — विनीत पाण्डेय

मंच, माइक, माला और अध्यक्ष की महिमा

अध्यक्षता का सबसे मनोरंजक दृश्य वह सम्मान समारोह है, जहां उन्हें शॉल और माला से लाद दिया जाता है। यह दृश्य देखकर ऐसा लगता है मानो किसी विजेता को युद्ध से लौटने पर पुरस्कृत किया जा रहा हो, जबकि उनका एकमात्र संघर्ष मंच पर तीन घंटे बिना हिले-डुले बैठना था। मालाएं इतनी ऊंची हो जाती हैं कि अध्यक्ष का चेहरा गायब हो जाता है। स्मृति चिन्ह थमाते समय फोटो ऐसे खिंचवाई जाती है जैसे यह क्षण इतिहास की किताबों में दर्ज होने वाला हो।

सार्वजनिक कार्यक्रमों में अध्यक्षता करना हमारे देश की वह महान कला है, जिसके सामने बाकी सारी कलाएं पानी भरती नजर आती हैं। कार्यक्रम चाहे किसी मोहल्ले की बैठक का हो, किसी विशेष दिवस का हो या किसी की जयंती का, जब तक मंच के बीचों-बीच एक अध्यक्ष नामक प्राणी विराजमान न हो जाए, तब तक कार्यक्रम को मोक्ष प्राप्त नहीं होता। किसी भी आयोजन की शोभा, उसकी गंभीरता और उसकी प्रतिष्ठा इस बात से आँकी जाती है कि उसमें अध्यक्ष कौन है। अध्यक्ष किसे बनाया जाए, यह भी एक बड़ा प्रश्न होता है। साधारण आदमी को तो कोई पूछता ही नहीं, क्योंकि उसे मंच पर बैठाने से समारोह का कद छोटा हो जाएगा।

आयोजकों की पहली प्राथमिकता वह व्यक्ति होता है या तो जिसके नाम के साथ पूर्व या माननीय टाइप के चार-पांच विशेषण लगे हों या जो भारी चंदा दे सके, लेकिन अध्यक्ष बनने की असली मुश्किल तब आती है जब कार्यक्रम शुरू हो जाता है। अध्यक्ष की बारी हमेशा सबसे आखिर में आती है। उनके बोलने तक मंच पर मौजूद हर वक्ता सब कुछ कह चुका होता है, विषय की बारीकियां, आंकड़े, उदाहरण, ऐतिहासिक संदर्भ सब खत्म हो चुके होते हैं। अब अध्यक्ष बेचारे किस पर बोलें? ऐसे में दो ही रास्ते बचते हैं। पहला, पहले से कही हुई बातों को अपने शब्दों में दोहराना और यह जताना कि उन्होंने सबको ध्यान से सुना है। दूसरा, विषय से हटकर कोई पुरानी घटना, कोई किस्सा या कोई व्यक्तिगत अनुभव सुना देना, ताकि लोग ऊब न जाएं और उन्हें लगे कि अध्यक्ष ने कुछ अलग कहा। अध्यक्ष के सामने सबसे बड़ी चुनौती होती है खुद को विद्वान सिद्ध करना, क्योंकि श्रोता उम्मीद करते हैं कि इतने प्रतिष्ठित व्यक्ति को बुलाया गया है तो वह कुछ ऐसा कहेगा जो किसी और ने नहीं कहा। जब तक उनकी बारी आती है, सारी नई बातें खत्म हो चुकी होती हैं। मजबूरी में वह वही बातें थोड़ी गंभीरता और थोड़े वजनदार शब्दों में दुहराते हैं। जैसे कोई कह चुका हो कि हमारे समाज में शिक्षा की आवश्यकता है, तो अध्यक्ष कहेंगे वास्तव में, शिक्षा समाज की आत्मा है, और शरीर के लिए आत्मा बहुत जरूरी होती है। कई बार अध्यक्ष यह भी मान लेते हैं कि जब सब कुछ कहा जा चुका है, तो क्यों न अवसर का लाभ उठाकर अपनी पसंदीदा कहानियां सुना दी जाएं। कार्यक्रम चाहे पर्यावरण संरक्षण पर हो या पुस्तक विमोचन का, अध्यक्ष महोदय जेपी आंदोलन का कोई संस्मरण सुनाने लगेंगे, या अपनी पहली नौकरी के अनुभव साझा कर देंगे। कई अध्यक्ष अपने भाषण में संक्षिप्त रहने का वादा करते हैं और फिर घड़ी देखकर भी भूल जाते हैं कि संक्षिप्त का मतलब पैंतालीस मिनट नहीं होता। अध्यक्ष जी जब कहते हैं 'मैं अंत में बस इतना ही कहूंगा...' तो समझ लीजिए कि अभी कम से कम बीस मिनट का मसाला और बाकी है। आयोजक असहज होते हैं, श्रोता मोबाइल में व्यस्त हो जाते हैं, लेकिन अध्यक्ष महोदय इस भ्रम में डूबे रहते हैं कि लोग उनकी बातों को ध्यानपूर्वक सुन रहे हैं कि उन्होंने एक विद्वत्तापूर्ण भाषण दे दिया। श्रोताओं की सहनशीलता की भी दाद देनी चाहिए। वे उस अध्यक्षीय निष्कर्ष का इंतजार ऐसे करते हैं जैसे कयामत के दिन का। आधे लोग सोचते हैं कि अध्यक्ष कुछ गंभीर बातें कहेंगे, बाकी आधे लोग बस इंतजार कर रहे होते हैं कि कब उनका भाषण ख़त्म हो और वे घर लौटें। आयोजकों के लिए अध्यक्ष एक कवच की तरह है। यदि कार्यक्रम में कोई अव्यवस्था हो जाए, माइक खराब हो जाए या भीड़ कम आए, तो वे सब कुछ अध्यक्ष की गरिमा के पीछे छुपा देते हैं। 'अध्यक्ष जी आए, यही हमारे लिए बड़ी बात है'। यह वाक्य हर असफलता का मरहम बन जाता है। अध्यक्षता का सबसे मनोरंजक दृश्य वह सम्मान समारोह है, जहां उन्हें शॉल और माला से लाद दिया जाता है। यह दृश्य देखकर ऐसा लगता है मानो किसी विजेता को युद्ध से लौटने पर पुरस्कृत किया जा रहा हो, जबकि उनका एकमात्र संघर्ष मंच पर तीन घंटे बिना हिले-डुले बैठना था। मालाएं इतनी ऊंची हो जाती हैं कि अध्यक्ष का चेहरा गायब हो जाता है। स्मृति चिन्ह थमाते समय फोटो ऐसे खिंचवाई जाती है जैसे यह क्षण इतिहास की किताबों में दर्ज होने वाला हो। किन्तु सत्य यही है कि इस देश में भाषण भले ही कोई भी दे, जलवा हमेशा उसी का रहता है, जिसके पास अध्यक्षीय कुर्सी होती है। अध्यक्ष कार्यक्रम का वह स्वर्णिम समापन है, जिन्हें सुनकर जनता राहत की सांस लेती है और घर जाकर यह भूल जाती है कि अध्यक्ष जी ने आखिर कहा क्या था।

कुछ हटकर

बी.आर्क के बाद करियर विकल्प रचनात्मकता व तकनीकी कौशल

डॉ. मोहित बंसल

करियर कोच एवं मोटिवेशनल स्पीकर

नई शिक्षा नीति 2020 के तहत विद्यार्थी अब अर्बन डिजाइन, ग्रीन आर्किटेक्चर, स्मार्ट सिटी प्लानिंग जैसे विशेष क्षेत्रों में भी विशेषज्ञता प्राप्त कर सकते हैं।

बी.आर्क (बैचलर ऑफ आर्किटेक्चर) एक पाँच वर्षीय स्नातक कार्यक्रम है जो विद्यार्थियों को भवन निर्माण, डिजाइनिंग, शहरी नियोजन और पर्यावरणीय संरचना की गहन समझ प्रदान करता है। इस कोर्स के दौरान विद्यार्थियों को आर्किटेक्चरल डिजाइन, बिल्डिंग कंस्ट्रक्शन, एनवायरनमेंटल स्टडीज, स्ट्रक्चरल इंजीनियरिंग, इंटीरियर डिजाइन, लैंडस्केप आर्किटेक्चर और कम्प्यूटर एडेड डिजाइन जैसे विषय पढ़ाए जाते हैं। इस कार्यक्रम का उद्देश्य केवल ड्रॉइंग या डिजाइनिंग सिखाना नहीं है, बल्कि विद्यार्थियों को सस्टेनेबल डेवलपमेंट और इनोवेटिव स्ट्रक्चर डिजाइनिंग में दक्ष बनाना है।

विशेषज्ञताएं

आर्किटेक्चर के क्षेत्र में कई प्रकार की विशेषज्ञताएँ उपलब्ध हैं, जिनमें विद्यार्थी अपनी रुचि और क्षमता के अनुसार विशेषज्ञता प्राप्त कर सकते हैं —

- आर्किटेक्चरल डिजाइन
- अर्बन और रीजनल प्लानिंग
- लैंडस्केप आर्किटेक्चर
- इंटीरियर आर्किटेक्चर
- ग्रीन और सस्टेनेबल आर्किटेक्चर
- हेरिटेज और कंजर्वेशन आर्किटेक्चर
- कंस्ट्रक्शन प्रोजेक्ट मैनेजमेंट
- डिजिटल और कम्प्यूटेशनल डिजाइन

आवश्यक कौशल

एक सफल आर्किटेक्ट बनने के लिए विद्यार्थियों में रचनात्मक सोच के साथ-साथ तकनीकी और प्रबंधन कौशल भी आवश्यक हैं -रचनात्मकता और कल्पनाशक्ति, तकनीकी ड्रॉइंग और डिजाइन की समझ, सी.ए.डी. सॉफ्टवेयर जैसे ऑटो कैड, रेवित, स्केचअप, रहीनो में दक्षता स्ट्रक्चरल और एनवायरनमेंटल जागरूकता आदि।

निजी क्षेत्र में विकल्प

बी.आर्क स्नातकों के लिए निजी क्षेत्र में रोजगार की असीम संभावनाएँ हैं। रियल एस्टेट, कंस्ट्रक्शन, इंटीरियर डिजाइन फर्म्स, आर्किटेक्चरल कंसल्टेंसीज और इन्फ्रास्ट्रक्चर कंपनियों में आर्किटेक्ट्स की लगातार माँग बनी रहती है।

ये मिल सकता है वेतन : निजी क्षेत्र में प्रारंभिक वेतन लगभग 4 से 8 लाख वार्षिक तक होता है, जबकि अनुभव और विशेषज्ञता के साथ यह 12 से 25 लाख वार्षिक तक पहुँच सकता है।प्रमुख कंपनियाँ जैसे डी.एल.एफ., एल एंड टी कंस्ट्रक्शन, टाटा प्रोजेक्ट्स, सी.पी. कुकरेजा आर्किटेक्ट्स, बी.आर्क स्नातकों को उत्कृष्ट अवसर प्रदान करती हैं।

सरकारी क्षेत्र में मौके

सरकारी विभागों और सार्वजनिक उपक्रमों में भी बी.आर्क स्नातकों के लिए अनेक प्रतिष्ठित अवसर उपलब्ध हैं। पब्लिक वर्क्स डिपार्टमेंट, हाउसिंग बोर्ड, अर्बन डेवलपमेंट अथॉरिटी, स्मार्ट सिटी प्रोजेक्ट्स और भारतीय रेल जैसे संस्थानों में आर्किटेक्ट्स की नियुक्ति की जाती है।

ये मिल सकता है वेतन : सरकारी क्षेत्र में प्रारंभिक वेतन ₹5 से ₹9 लाख वार्षिक तक होता है, जबकि वरिष्ठ पदों पर यह ₹15 से ₹20 लाख वार्षिक तक पहुँच सकता है।

किसी भी करियर का चुनाव करने से पहले किसी योग्य करियर सलाहकार से सलाह ज़रूर लें। अधिक जानकारी के लिए आप www.careerjaano.com पर भी विज़िट कर सकते हैं।

नवगीत

दुःख की गठरी लिए घूमती
रोज सुबह और शाम
परछाई भी तैयार है
पाने को वरदान।

तन खाता महा कष्ट के
बर्तन भर-भर रोज
चलता-फिरता हाड़-मांस
करता उसी में मौज
रिश्ते नातों की बात का
करते हैं नित मान।

कर्म सलोने किए बहूत
मिले जीवन का सार
बर्बादी की मंजिल बचे
सत्कर्मों से प्यार
ईश-कृपा होती जहां
करते हैं वे ध्यान।

हर दिन वह तैयार है
करने को संग्राम
पेट काटती शाम तलक
करती वह न विश्राम
जर्जर काया पुलकित हो
करती है गुणगान।

मोटिवेशनल

डिग्री बनाम स्किल्स: युवा क्या चुनें ?

विपुल शर्मा

मोटिवेशनल स्पीकर

आज का युवा एक ऐसे दौर में खड़ा है, जहां विकल्प पहले से कहीं अधिक हैं, लेकिन भ्रम भी उतना ही गहरा है। एक ओर वर्षों से चली आ रही सोच है कि डिग्री ही सफलता की कुंजी है, वहीं दूसरी ओर बदलती दुनिया यह संकेत दे रही है कि स्किल्स यानी कौशल ही असली पहचान बन रहे हैं। ऐसे में सवाल उठता है- आज का युवा डिग्री चुने या स्किल्स? सच यह है कि आज का समय डिग्री बनाम स्किल्स का नहीं, बल्कि डिग्री के साथ स्किल्स का है।

बदलती दुनिया, बदलती मांग : तकनीक, आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस और डिजिटल प्लेटफॉर्म्स ने काम करने के तरीके ही बदल दिए हैं। आज कंपनियां यह नहीं पूछतीं कि आपने कहां से पढ़ाई की है, बल्कि यह जानना चाहती हैं कि आप क्या कर सकते हैं। कोडिंग, डिजिटल मार्केटिंग, डेटा एनालिसिस, कम्युनिकेशन, समस्या-समाधान और टीमवर्क- ये सभी ऐसे कौशल हैं, जिनकी मांग हर क्षेत्र में बढ़ रही है। एक सर्वे के अनुसार, कई नियोक्ता मानते हैं कि डिग्री रखने वाले उम्मीदवारों की तुलना में स्किल्ड उम्मीदवार जल्दी सीखते हैं और बेहतर प्रदर्शन करते हैं।

क्या डिग्री अब बेकार हो गई है? : बिल्कुल नहीं। डिग्री ज्ञान की नींव देती है, सोच विकसित करती है और अनुशासन सिखाती है। समस्या तब होती है, जब युवा यह मान लेते हैं कि डिग्री मिलते ही सफलता अपने आप मिल जाएगी। आज हकीकत यह है कि केवल डिग्री काफी नहीं है, अगर उसके साथ जरूरी कौशल न हों। डिग्री आपको प्रवेश दिला सकती है, लेकिन आगे बढ़ाने का काम स्किल्स ही करती हैं।

स्किल्स क्यों बन रही हैं सबसे बड़ी ताकत : स्किल्स आपको आत्मनिर्भर बनाती हैं। आज हजारों युवा ऐसे हैं, जिन्होंने साधारण पृष्ठभूमि से आकर डिजिटल स्किल्स, डिजाइन, कंटेंट राइटिंग, ट्रेनिंग, कंसल्टिंग या तकनीकी कौशल के दम पर अपनी पहचान बनाई है। स्किल्स आपको सीखते रहने की आदत सिखाती हैं, और यही आदत भविष्य में आपको प्रासंगिक बनाए रखती है। युवाओं को क्या करना चाहिए? आज के युवा को यह समझना होगा कि सफलता किसी एक रास्ते से नहीं आती।

पढ़ाई के साथ-साथ नए कौशल सीखें : इंटर्नशिप, प्रोजेक्ट और फील्ड अनुभव को महत्व दें। सिर्फ नौकरी खोजने वाला नहीं, समस्या सुलझाने वाला इंसान बनें। हर साल खुद को पहले से बेहतर बनाने का लक्ष्य रखें। आज का युग डिग्री या स्किल्स में से किसी एक को चुनने का नहीं है, बल्कि दोनों के संतुलन का है। डिग्री आपकी सोच को दिशा देती है और स्किल्स आपकी उड़ान को ऊंचाई। जो युवा इस संतुलन को समझ लेता है, वही अपना भविष्य सुरक्षित करता है। आज के समय में सबसे बड़ी डिग्री है सीखते रहने की इच्छा, और सबसे बड़ा कौशल है- खुद को हर दिन बेहतर बनाना।

लघु कथा

कण-कण में...

डॉ. अंजना गर्ग

कहानीकार

वृंदावन की गलियों में भीड़ थी। भजन की धुन, मंदिरों की घंटियाँ और श्रद्धालुओं की आस्था हवा में घुली हुई थी।

एक सज्जन खड़े-खड़े ऊंची आवाज़ में प्रवचन दे रहे थे—

"यहां तो कण-कण में भगवान हैं...आप जहां भी उन्हें पुकारेंगे, वे वहीं प्रकट हो जाते हैं..."

आसपास खड़े लोग श्रद्धा से सिर हिला रहे थे। प्रवचन समाप्त हुआ।

उसी सज्जन ने पास की दुकान से पूड़ी-सब्ज़ी खाई, और जूठी पत्तल को लापरवाही से सड़क किनारे फेंक दिया।

यह सब अनु देख रही थी।

वह उनके पास आई और शांत स्वर में बोली—

"आपकी बात गलत है।"

सज्जन चौंके—"क्या मतलब?"

अनु ने उसी पत्तल की ओर इशारा किया—"या तो कण-कण में भगवान नहीं हैं...या फिर आपने अभी-अभी भगवान के मुंह पर यह जूठा फेंका है।"

सज्जन के चेहरे पर जैसे शब्द सूख गए। अनु आगे बढ़ गई और पीछे, वृंदावन की वही गलियां थीं। जहां शायद भगवान अब भी खड़े थे...यह देखने के लिए कि लोग उन्हें मानते ज़्यादा हैं, या समझते।

खबर संक्षेप

ताईक्वांडो प्रतियोगिता में 93 खिलाड़ियों ने भाग लिया

भिवानी। चिड़िया घर रोड स्थित बाल भवन में 21वीं जिला स्तरीय ताइक्वांडो प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। प्रतियोगिता का शुभारंभ मुख्यातिथि वरिष्ठ अधिवक्ता शुशीला गुईया, अधिवक्ता कृष्ण कुमार व समाजसेवी शुभ्म ने किया। प्रतियोगिता में जिले भर से लगभग 93 खिलाड़ियों ने भाग लिया। मुख्यातिथि शुशीला गुईया ने कहा कि भिवानी जिला खेलों के लिए जाना जाता है। आज के जीवन में शिक्षा के साथ-साथ खेलों का भी बहुत महत्व है।

एसएचओ ने अभेद्य ऐप के बारे में दी जानकारी

लोहारू। रविवार को थाना परिसर में थाना प्रभारी मुरारीलाल की अध्यक्षता में व्यापार मंडल पदाधिकारियों, पेट्रोल पंप संचालकों और आम लोगों के साथ बैठक आयोजित हुई। बैठक में इन दिनों बढ़ते साइबर क्राइम के मध्य हाल ही पुलिस प्रशासन द्वारा लोगों की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए लॉन्च किए गए अभेद्य ऐप की जानकारी दी गई।

आप के प्रदेशाध्यक्ष से की राजनीतिक हालातों पर चर्चा

भिवानी। आम आदमी पार्टी के पूर्व जिला अध्यक्ष दलजीत सिंह तालु ने आम आदमी पार्टी के प्रदेशाध्यक्ष एवं पूर्व राज्यसभा सांसद डा. सुशील गुप्ता से दिल्ली स्थित उनके निवास स्थान पर पहुंच कर प्रदेश के राजनैतिक हालातों पर चर्चा की। इस दौरान उन्होंने जन्मदिन की शुभकामनाएं भी दी। प्रदेशाध्यक्ष डा. सुशील गुप्ता ने कहा कि आज प्रदेश व देश में महंगाई और भ्रष्टाचारी की लूट मच रही है।

स्व. मदन लाल महता को किए पुष्प अर्पित

बवानीखेड़ा। बवानीखेडा के पूर्व नपा प्रधान स्व. मदन लाल महता की पुण्यतिथि पर उनके पुत्र समाजसेवी एवं पूर्व नपा पार्षद पंकज महता सहित सैकड़ों लोगों ने उनकी प्रतिमा पर पुष्प अर्पित किए। राजनीति के चाणक्य माने जाने वाले मदन लाल महता ने नपा पार्षद के चुनावों में अनेक बार विजयपताका लहराई और मंत्री के निजी सचिव के रूप में भी कार्य किया।

सतलोक आश्रम में विश्व शांति महा धार्मिक अनुष्ठान

भिवानी बना आस्था का केंद्र महा अनुष्ठान में उमड़ा सैलाब

हरिभूमि न्यूज ▶▶| भिवानी

भिवानी। आयोजित सत्संग में उपस्थित श्रद्धालु। फोटो : हरिभूमि

छोटी काशी के नाम से विख्यात भिवानी के गुजरानी रोड स्थित सतलोक आश्रम में तीन दिवसीय विश्व शांति महा धार्मिक अनुष्ठान का रविवार को श्रद्धा और उल्लास के साथ समापन हो गया। तीन दिनों तक चले इस विशाल भंडारे और अनुष्ठान को सफल बनाने में भिवानी जिले के सभी को ऑर्डिनेटर्स और हजारों स्वयंसेवकों ने दिन-रात अपनी सेवाएं दीं। जगतगुरु तत्वदर्शी संत रामपाल महाराज के सान्निध्य में आयोजित इस तीन दिवसीय कार्यक्रम ने ना केवल धार्मिक आस्था का प्रदर्शन किया, बल्कि सामाजिक सरोकार और मानवता की एक नई परिभाषा भी लिखी। अनुष्ठान के दौरान संत गरीब दास महाराज द्वारा रचित अमर ग्रंथ साहिब की अमर वाणियों का अखंड पाठ किया गया। तीन दिनों तक निरंतर चली इन दिव्य वाणियों से पूरा परिसर भक्तिमय रहा। इस महा समागम में देश-विदेश से आए लाखों श्रद्धालुओं ने शिरकत की, जिनका प्रबंधन आश्रम समिति द्वारा बेहद सुव्यवस्थित तरीके से किया गया। यह आयोजन केवल पूजा-पाठ तक सीमित नहीं रहा, बल्कि इसने समाज को नई दिशा देने का काम किया। आयोजन के दूसरे दिन दौरान 6 जोड़ों का रमैणी (गुरुवाणी के माध्यम से बिना किसी तामझाम और दहेज के) विवाह संपन्न कराया गया था तथा वही मानवता की सेवा में कदम बढ़ाते हुए 150 यूनिट रक्त दान भी किया गया था। आश्रम प्रबंधन समिति और सेवादारों ने संत रामपाल महाराज के मूल मंत्र को दोहराते हुए कहा कि महाराज का एकमात्र उद्देश्य विश्व में शांति स्थापित करना और बिखरे हुए मानव समाज को एकजुट करना है। उन्होंने कहा कि संत रामपाल महाराज का संदेश स्पष्ट है कि जीव हमारी जाति है, मानव धर्म हमारा। यह अनुष्ठान केवल एक धार्मिक गतिविधि नहीं, बल्कि संपूर्ण विश्व के कल्याण की प्रार्थना है।

हम एक ऐसे समाज का निर्माण करना चाहते हैं जहां न नशा हो, न दहेज और न ही जात-पात का भेदभाव। लाखों श्रद्धालुओं ने यहाँ भंडारे का प्रसाद ग्रहण किया और सेवा का संकल्प लेकर अपने घरों को लौटे हैं।

बैठक में आगामी कार्यक्रमों की रूपरेखा बनाई

पार्टी की असली शक्ति बूथ स्तर के कार्यकर्ता : विरेन्द्र कौशिक

हरिभूमि न्यूज ▶▶| भिवानी

भिवानी। भाजपा की बैठक में उपस्थित पदाधिकारी। फोटो : हरिभूमि

भारतीय जनता पार्टी के संगठनात्मक ढांचे को और अधिक सुदृढ़ करने के उद्देश्य से रविवार को भिवानी जिला भाजपा कार्यालय में ग्रामीण मंडल की मासिक बैठक का आयोजन किया गया। भाजपा के राष्ट्रीय नेतृत्व के दिशानिर्देशानुसार आयोजित इस बैठक में आगामी कार्यक्रमों की रूपरेखा तैयार की गई और कार्यकर्ताओं में नया जोश भरा गया। बैठक की अध्यक्षता ग्रामीण मंडल अध्यक्ष सुनील भारद्वाज धारेडू ने की, जबकि जिला अध्यक्ष विरेन्द्र कौशिक ने मुख्य वक्ता के रूप में शिरकत कर कार्यकर्ताओं का मार्गदर्शन किया। इस दौरान मई माह की कार्ययोजना और बूथ स्तर पर पार्टी की पकड़ मजबूत करने पर विस्तार से चर्चा हुई।

बैठक को संबोधित करते हुए जिला अध्यक्ष विरेन्द्र कौशिक ने कहा कि भाजपा विश्व की सबसे बड़ी पार्टी अपने समर्पित कार्यकर्ताओं और मजबूत संगठनात्मक ढांचे के दम पर है। उन्होंने कहा कि पार्टी की असली शक्ति हमारे बूथ स्तर के कार्यकर्ता हैं। हमारा लक्ष्य प्रत्येक बूथ पर पन्ना प्रमुख से लेकर सामान्य कार्यकर्ता को सक्रिय करना है। केंद्र और राज्य सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं को जन-जन तक पहुंचाना हमारी प्राथमिकता है। यदि हमारा बूथ मजबूत होगा, तो संगठन स्वतः ही अपराजेय बन जाएगा। मंडल अध्यक्ष सुनील भारद्वाज धारेडू ने सभी कार्यकर्ताओं का स्वागत करते हुए कहा कि राष्ट्रीय नेतृत्व के निर्देशों का पालन करते हुए हर गांव और हर वार्ड में बैठकें आयोजित की जा रही हैं।

उन्होंने कहा कि आज की बैठक का मुख्य उद्देश्य कार्यकर्ताओं को आगामी सांगठनिक कार्यों के लिए प्रशिक्षित करना और उनकी समस्याओं को सुनना था। हम मंडल के हर बूथ पर जाकर संगठन को जमीनी स्तर पर इतना सशक्त बनाएंगे कि विपक्षी दल वहां टिक भी न सकें। मई माह की इस बैठक से जो ऊर्जा मिली है, उसे कार्यकर्ता मैदान में लेकर जाएंगे।

ये रहे मौजूद

इस अवसर पर जिला महामंत्री रेखा राघव, रमेश पचेरवाल, मंडल सह प्रभारी राहुल नरेंद्र शर्मा, पूर्व प्रदेश उपाध्यक्ष ठाकुर विक्रम जी, मंडल महामंत्री ईश्वर यादव, सुरेश सोलंकी, युवा मोर्चा अध्यक्ष पवन शर्मा, राजकुमार फौजी नौरंगाबाद संयोजक पूर्व सैनिक प्रकोष्ठ, अनिता बामला महिला मोर्चा मंडल अध्यक्ष, किसान मोर्चा ग्रामीण मंडल अध्यक्ष जयवीर, ओबीसी मोर्चा मंडल अध्यक्ष सुरेश, एससी मोर्चा सुरेश नांगल, नरेश गोतम एडवोकेट मंडल कोषाध्यक्ष, मनीष सेन, कृष्णा बामला, राजबाला रंगा, बबीता, सज्जन कौर कार्यकारी जिला महामंत्री महिला मोर्चा, मंजीत, मित्रपाल, चमन, मंजीत सेन, विजय सहित अन्य पदाधिकारी व कार्यकर्ता मौजूद रहे।

अनाज मंडी का किया दौरा

अनाज मंडी में फसल के उठान की प्रक्रिया को किया जाए तेज

हरिभूमि न्यूज ▶▶| भिवानी

भिवानी। अनाजमंडी का निरीक्षण करते हुए। फोटो : हरिभूमि

भारतीय किसान संघ के पदाधिकारियों ने हरियाणा राज्य बाल अधिकार संरक्षण आयोग की नवनियुक्त चेयरपर्सन तृप्ति श्योराण का सम्मान किया। इस अवसर पर भारतीय किसान संघ के प्रदेश मंत्री व बिजली आयाम प्रमुख महीपाल बड़दु ने तृप्ति श्योराण की नियुक्ति पर हर्ष व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि तृप्ति श्योराण राष्ट्रीय संघ के विभाग अधिकारी हरिपाल की सुपुत्री हैं। हरिपाल का हरियाणा में संगठन को मजबूत करने और किसानों की आवाज बुलंद करने में अतुलनीय योगदान रहा है। इसके पश्चात भारतीय किसान संघ के कार्यकर्ताओं ने जनहित के मुद्दों पर सक्रियता दिखाते हुए भिवानी अनाज मंडी का दौरा किया। टीम ने वहां मार्केटिंग कमेटी के चेयरमैन कृष्ण कुमार और अन्य मंडी अधिकारियों से मुलाकात की। उन्होंने मांग की कि मंडी में जमा फसल के उठान (लिफ्टिंग) की प्रक्रिया को और तेज किया जाए, ताकि किसानों को जगह की कमी न हो,ख़फसल खरीद के बाद किसान का पैसा बिना किसी देरी के सीधे उनके बैंक खातों में जल्द से जल्द ट्रांसफर किया जाए। महीपाल बड़दु ने स्पष्ट किया कि भारतीय किसान संघ किसानों की हर समस्या के समाधान के लिए प्रतिबद्ध है और प्रशासन को यह सुनिश्चित करना चाहिए कि मंडी में आए किसानों को किसी भी प्रकार की असुविधा न हो। इस अवसर पर भाकिसं जिला अध्यक्ष अजमेर, जेपी बराला, सह सचिव कुलदीप सिंह महला, ब्लॉक अध्यक्ष रामचंद्र, राकेश कुमार, डा. धर्मबीर दहिया, राज सिंह तालु, नरेंद्र सिंह आदि मौजूद रहे।

राज्य सरकार की जिम्मेदारी प्रत्येक गरीब को आवास तथा रोजगार मुहैया करवाएं :मीना

भिवानी। पूर्व पार्षद मीना चौपड़ा के निवास पर पहुंच कर वार्ड संख्या सात के अनेक पीड़ित लोग अपने टूटते घरों को बचाने के लिए म मिले जिनमें महिला पुरुष व बच्चे शामिल थे । उसके बाद बाबा पीर बाबा जुरान शहीद की दरगाह पर सभी एकत्रित हुए । वहां पहुंच कर पूर्व पार्षद मीना चौपड़ा सिंधू ने कहा कि लम्बे समय से बसे लोगों को शासन तथा प्रशासन सीधे उजाड़ नहीं सकता है क्योंकि दिये सुप्रीम व हाई कोर्ट के हिदायत तथा फैसलों को भी ध्यान में रखना उनकी ड्यूटी है। उन्होंने कहा कि मैने पूर्व दिन आपकी स्थिति उपायुक्त भिवानी को दिये ज्ञापन में स्पष्ट कर दी थी कि इन गरीब लोगों के घरों को शहरी विकाश के लिए पार्क निर्माण करवाये जाने की बात कह कर कब्जा हटाने के निर्देश दिये है वह रोके जाये साथ ही जब तक इन्हें वही रहने दिया जाये तब तक इनके लिए पूर्नवास की व्यवस्था ना बन जाये यानि प्रधानमंत्री या मुख्यमंत्री आवास योजना के तहत इन्हें बना बनाया मकान या खाली प्लाट नही मिल जाए । उनके साथ दरगाह के सामने लम्बे समय तक पूर्व पार्षद ने इसी मसले को लेकर लम्बी चर्चा भी की तथा नपा प्रशासन द्वारा दिये नोटिस भी देखे । इस दौरान उनके साथ पिड़ित बाल्मिक तथा सांसी परिवार के देवीलाल नफेसिंह बलराम बीरू कालू सावन राजेश अमीर नीता मीना कविता आदि थे।

न्यूज डायरी

विधायक सर्राफ ने शेड का लोकार्पण किया

भिवानी। जीतू वाला जोहड़ स्थित काली देवी मंदिर में विधायक घनश्याम दास सर्राफ ने अपनी माता की स्मृति में बनवाए गए शेड का लोकार्पण किया । इसी कड़ी में रामदेव तायल द्वारा निर्मित शिव समव शरण तथा सुरेंद्र जैन एडवोकेट द्वारा निर्मित महाप्रज्ञ द्वार का भी लोकार्पण किया गया। समाजसेवी उषा गोयल द्वारा मंदिर को भेंट किए गए वॉटर डिस्पेंसर का भी शुभारंभ किया गया । मंदिर के महंत जगन्नाथ ने सभी सहयोग कर्ताओं के प्रति आभार व्यक्त किया और कहा कि सब के सहयोग से यह मंदिर परिसर एक सर्वधर्म समभाव का प्रतीक बनता जा रहा है। विधायक घनश्याम दास सर्राफ ने कहा कि इस मंदिर के साथ उनकी आस्था जुड़ी हुई है और भविष्य में भी इस मंदिर के लिए वह कोई कोर कसर नहीं छोड़ेंगे। उन्होंने मंदिर के साथ धर्मशाला में एक हॉल बनवाने की भी घोषणा की।

गोमाता की सेवा करने वाला रहता है समृद्ध

बहल। पूर्व कृषि मंत्री जेपी दलाल ने कहा भारतीय एवं सनातन संस्कृति में गाय को माता का दर्जा प्राप्त है और जो समाज गोसेवा करता है, वह सदैव समृद्ध और संस्कारित रहता है। गोमाता का आशीर्वाद जिस पर रहता है वह व्यक्ति और समाज हमेशा सन्मार्ग और उन्नति के पथ पर अग्रसर होता है। वे रविवार को कसबे के ओम रिजॉर्ट में लोहारू क्षेत्र की गोशालाओं को प्रदेश सरकार द्वारा जारी अनुदान राशि के चेक वितरण कार्यक्रम में बोल रहे थे। कार्यक्रम के दौरान लोहारू हलके की 15 से अधिक गोशालाओं को सरकार की ओर से अनुरक्षण एवं आर्थिक सहायता के रूप में करीब 1 करोड़ 40 लाख रुपये की राशि के चेक वितरित किए गए। जेपी दलाल ने कहा कि हरियाणा सरकार गोसेवा, गोसंरक्षण और संवर्धन के लिए पूरी प्रतिबद्धता के साथ कार्य कर रही है।

पूर्व मंत्री को पुण्यतिथि पर किया याद

लोहारू। इनेलो के शासन काल में शिक्षामंत्री रहे स्व. बहादुर सिंह की पांचवीं पुण्यतिथि के मौके पर रविवार को स्थानीय पूर्ण धर्मशाला में श्रद्धांजलि सभा का आयोजन किया। जिसमें उनके बेटे पूर्व आईएएस अधिकारी जगदीप सिंह, पूर्व एसडीएम संदीप सिंह, पौत्र विश्वजीत सहित अनेक लोगों ने पूर्व मंत्री को श्रद्धासुमन अर्पित कर उनके आदर्शों को याद किया। इससे पहले हवन में आहुति डाली गई। बता दें स्व. चौ बहादुर सिंह इनेलो शासन काल में प्रदेश के शिक्षा मंत्री रहे तथा इससे पहले एचसीएस भी रहे। शिक्षा मंत्री रहते हुए चौ बहादुर ङ्घसह ने गांव गांव व ढाणियों में नए विद्यालय भवन बनवाए थे, ताकि ग्रामीण क्षेत्र के बच्चों को शिक्षा मिल सके। यही नही उन्होंने ने विद्यालयों में नैतिक शिक्षा विषय लागू करवाया था।

वरिष्ठजन समाज की अमूल्य धरोहरः अशोक

हरिभूमि न्यूज ▶▶| चरखी दादरी

प्रजापिता ब्रह्माकुमारी ईश्वरीय विश्वविद्यालय की कादमा शाखा व समाज सेवा प्रभाग के तत्वावधान में "संगम गौरवपूर्ण वृद्धावस्था एवं सम्मानित जीवन" प्रोजेक्ट के अंतर्गत वरिष्ठ नागरिकों एवं समाजसेवियों के सम्मान में एक भव्य स्नेह मिलन एवं सम्मान समारोह का आयोजन किया गया।

कार्यक्रम का शुभारंभ ब्रह्माकुमार बीरेंद्र मां .आबू, अशोक थालौर, ब्रह्माकुमारी वसुधा बहन, ब्रह्माकुमारी नीलम बहन, ब्रह्माकुमार सुनील कुमार ने दीप प्रज्ज्वलित कर समाज में ज्ञान, सेवा और संस्कारों की ज्योति जलाने का संदेश दिया। इस अवसर पर कार्यक्रम में मुख्य अतिथि जिला पार्षद प्रतिनिधि अशोक थालौर ने कहा कि वरिष्ठजन समाज की अमूल्य धरोहर हैं। उनका अनुभव, संघर्ष और जीवन मूल्यों का ज्ञान नई पीढ़ी के लिए प्रेरणा स्त्रोत है। ब्रह्माकुमारी संस्थान द्वारा वरिष्ठ नागरिकों के सम्मान और आध्यात्मिक उत्थान हेतु किए जा रहे कार्य अत्यंत सराहनीय हैं। माउंट आबू राजस्थान से पधारे समाज सेवा प्रभाग के मुख्यालय संयोजक वीरेंद्र भाई ने अपने प्रेरणादायक उद्बोधन में कहा कि वृद्धावस्था जीवन का संध्या काल नहीं, बल्कि अनुभव, ज्ञान और आत्मिक परिपक्वता का स्वर्णिम समय है। उन्होंने कहा कि यदि जीवन में आध्यात्मिकता का समावेश हो जाए तो वृद्धावस्था भी गौरवपूर्ण, सुखमय और सम्मानित बन सकती है।

दादरी नप के चेयरमैन की माता का निधन

भिवानी। दादरी नगर परिषद के चेयरमैन बख्शी राम सैनी की माता मूर्ति देवी के निधन पर नवदुर्गा सेवा सहयोग संस्था भिवानी के पदाधिकारियों ने उनके निवास स्थान पर पहुंचकर गहरा शोक व्यक्त किया और दिवंगत आत्मा की शांति के लिए प्रार्थना की।

इस अवसर पर संस्था के संस्थापक सुरेश सैनी, पर्यावरण रक्षक जेई बिजेश जावला तथा समाजसेवी सुरजीत सैनी (बादली वाले) वीरेंदर सैनी, मुकेश सैनी ने शोक संतप्त परिवार को ढांढस बंधाया। उन्होंने कहा कि माता-पिता का साया जीवन में सबसे बड़ा सहारा होता है और उनका जाना अपूरणीय क्षति है। संस्था परिवार इस दुख की घड़ी में पूरी तरह से सैनी परिवार के साथ खड़ा है। चेयरमैन बख्शी राम सैनी बताया कि उनकी माता मूर्ति देवी धर्म-कर्म में गहरा विश्वास रखती थीं।

आई क्यू व गीताजंली अस्पताल की टीम ने आंखों व सामान्य रोग के 265 मरीज जांचे

पूर्व शिक्षा मंत्री चौधरी बहादुर सिंह की पुण्य तिथि पर मेडिकल कैंप

हरिभूमि न्यूज ▶▶| चरखी दादरी

चरखी दादरी। गांव जयश्री में लोगों की आंखों की जांच करते हुए।

पूर्व शिक्षा मंत्री चैधरी बहादुर सिंह की पुण्य तिथि पर गांव जयश्री में आयोजित मेडिकल कैंप की अध्यक्षता सरपंच जितेंद्र यादव व ताराचंद श्योराण ने की। मुख्य अतिथि लेबर इंस्पेक्टर संजय कुमार तथा एयरफोर्स से सेवानिवृत्त राम सिंह शर्मा रहे। इस कड़ी के 1900 तथा 1901वां कैंप रहे। कैंप में आई क्यू व गीताजंली अस्पताल की टीम ने आंखों व सामान्य रोग के 265 मरीज जांचे, दवा वितरण हुआ। युवा विंग अध्यक्ष अधिवक्ता डॉ. अनिल बलवान साहू ने बताया कि कैंपों का यह सिलसिला जो कि दादरी को जिला बनाने की मांग के साथ आरंभ किया गया था, उसे जिस प्रकार से आज तक पूरे जिले के हर क्षेत्र में सहयोग मिला वो हमेशा यह संकल्प दृढ करता रहा कि जब तक दादरी के हर छोटे से छोटे क्षेत्र में प्रत्येक सुविधा पहुंचाने आवाज बुलंद न हो जाए तब संगठन का दायित्व पूरा करने के लिए सभी को कमर कस कर तैयार रहना होगा। संगठन अभी तक रक्तदान, मेडिकल सहित 4140 कैंप लगा चुका है।

अनिल साहू ने बताया कि संगठन अभी तक 49781 आंखों के आप्रेशन में सहयोग कर चुंका है, कैंपों में 4248 नागरिक मरणोपरांत नेत्रदान का संकल्प ले चुके हैं। 2679 को कानों की मशीन व कृत्रिम अंग दान में सहयोग किया जा चुका है, अभी तक मेडिकल कैंपों की मुहिम में पूरे प्रदेश सहित आसपास राज्य के करीबन 5 लाख नागरिक सीधा लाभ उठा चुके है।

प्रकृति की ओर वापसी प्रकृति की गोद में ही छिपा है स्वास्थ्य का असली खजाना : महंत चरणदास

हनुमान जोहड़ी मंदिर में अब मिट्टी के चूल्हे पर पकेगा आरोग्य

- प्रेम सागर और राजीव मित्तल ने इस चूल्हे की आधारशिला रखी

हरिभूमि न्यूज ▶▶| भिवानी

भिवानी। मंदिर परिसर में चूल्हे की आधारशिला रखवाते हुए। फोटो : हरिभूमि

आधुनिकता की चकाचौंध और भागदौड़ भरी जिंदगी के बीच छोटी काशी भिवानी का हनुमान जोहड़ी मंदिर एक बार फिर अपनी पौराणिक और स्वास्थ्यवर्धक परंपराओं को जीवंत करने के लिए चर्चा में है। मंदिर परिसर स्थित श्री हनुमान संजीवनी वैलनेस सेंटर (प्राकृतिक चिकित्सालय) में प्रकृति से जुड़ाव की एक अनूठी पहल करते हुए मिट्टी के चूल्हे की आधारशिला रविवार को रखी गई। यह कदम केवल पुरानी परंपरा को दोहराना नहीं है, बल्कि बीमारियों की जड़ बन चुकी आधुनिक जीवनशैली को प्राकृतिक उपचार से चुनौती देना है। मंदिर के महंत बालयोगी चरणदास के सान्निध्य में आयोजित कार्यक्रम के दौरान समाजसेवी प्रेम सागर और राजीव मित्तल ने इस चूल्हे की आधारशिला रखी। हनुमान संजीवनी वैलनेस सेंटर पहले से ही मिट्टी चिकित्सा, जल चिकित्सा और वायु चिकित्सा के माध्यम से लोगों का उपचार कर रहा है। अब इसमें मिट्टी के चूल्हे को शामिल कर अग्नि तत्व को भी शुद्ध रूप में जोडऩे का प्रयास किया गया है।

विटामिन और खनिज हो जाते हैं नष्ट

महंत ने बताया कि प्रेशर कुकर या आधुनिक उपकरणों में खाना पकता नहीं बल्कि फटता है, जिससे उसके विटामिन और खनिज नष्ट हो जाते हैं। इसके विपरीत, चूल्हे पर बना भोजन 100 प्रतिशत पोषक तत्वों से भरपूर होता है। वही मिट्टी और लकड़ी का मेल सात्विक ऊर्जा पैदा करता है। इस चूल्हे पर तैयार आहार मानसिक शांति और शारीरिक बल प्रदान करता है। एल्युमीनियम और नॉन-स्टिक बर्तनों के बढ़ते चलन ने कैंसर और पेट की बीमारियों को बढ़ावा दिया है। मिट्टी का चूल्हा हमें इन धीमे जहरों से दूर रखने की पहली सीढ़ी है। इस अवसर पर डा. ओमबीर कौशिक, संजय गुप्ता, हरिंद्र पुनिया, सीताराम सैनी, रेणु बाला, राधा देवी, आशा कौशिक सहित अनेक श्रद्धालुगण मौजूद रहे।

आधारशिला रखने के उपरांत श्रद्धालुओं और स्वास्थ्य प्रेमियों को संबोधित करते हुए महंत चरणदास महाराज ने कह कि स्वास्थ्य का असली खजाना प्रकृति की गोद में ही छिपा है।

उन्होंने कहा कि आज का इंसान गैजेट्स और गैस के बीच अपनी सेहत खो रहा है। मिट्टी के चूल्हे पर धीमी आंच में बना भोजन केवल पेट नहीं भरता, बल्कि वह अमृत समान होता है। जब मिट्टी के पात्र में चूल्हे की आंच पर भोजन पकता है, तो उसमें मौजूद सूक्ष्म पोषक तत्व नष्ट नहीं होते, बल्कि उनका प्रभाव और बढ़ जाता है।

कैबिनेट मंत्री श्रुति चौधरी के प्रतिनिधि ने गोशालाओं का किया निरीक्षण

लाखों की राशि के चेक विभिन्न गोशाला समितियों को सौंपे

हरिभूमि न्यूज ▶▶| तोशाम

तोशाम। गोशाला का निरीक्षण करते हुए। फोटो : हरिभूमि

रविवार को कैबिनेट मंत्री श्रुति चौधरी के प्रतिनिधि के तौर पर एडवोकेट हरि सिंह सांगवान ने तोशाम हलके की विभिन्न गोशाला में पहुंचकर गायों की देखरेख व चारा प्रबंध के लिए सरकार द्वारा भेजी गई सहायता राशि के चेक गोशाला प्रबंधकों को सौंपे। जिस पर गोशाला प्रबंधन समितियों ने हरियाणा सरकार सहित कैबिनेट मंत्री श्रुति चौधरी तथा भाजपा नेता एडवोकेट हरि सिंह सांगवान का आभार व्यक्त किया।

इससे पहले गौशालाओं में पहुंचने पर एडवोकेट हरि सिंह सांगवान का गोशाला समितियों ने फूल-मालाओं से भव्य स्वागत किया। इस दौरान उन्होंने गौशाला परिसर का भ्रमण कर गोशालाओं का निरीक्षण भी किया।

उल्लेखनीय है कि कैबिनेट मंत्री श्रुति चौधरी के सहयोग से हरियाणा सरकार द्वारा विभिन्न गोशालाओं में गायों की देखरेख व चारा प्रबंधन के लिए लाखों रुपए की राशि दी गई है। इसी राशि के चेक वितरित करने के लिए कैबिनेट मंत्री श्रुति चौधरी के प्रतिनिधि के तौर पर एडवोकेट हरि सिंह सांगवान रविवार को गांव बापोड़ा की बाबा पंच पीर गोशाला में पहुंचे तथा गोशाला समिति को 19 लाख 77 हजार 80 रुपए की राशि का चेक दिया। गांव दिनोद की बाबा धूनी वाला गोसेवा ट्रस्ट के नाम 9 लाख 65 हजार 540 रुपये का चेक दिया।

तोशाम में अखिल भारतीय किसान सभा व किसानों की हुई बैठक

मार्केट रेट से दोगुना मुआवजा दिलाने की मांग को लेकर गरजे किसान संगठन

तोशाम। मुआवजा की मांग को लेकर तोशाम में आयोजित बैठक।

बवानीखेड़ा। बलियाली में आयोजित बैठक में उपस्थित किसान।

हरिभूमि न्यूज ▶▶| तोशाम

पावर ग्रिड कंपनी के हाई-टेंशन बिजली टावरों का किसानों को उचित मुआवजा को लेकर अखिल भारतीय किसान सभा व किसानों की बैठक गांव मिरान में हुई। जिसकी अध्यक्षता बिजली विभाग के सेवानिवृत कर्मचारी अमर सिंह ने की तो बैठक का संचालन तोशाम के वित्त सचिव रणधीर सांगवान ने किया। उन्होंने कहा कि बिजली टावर का उचित मुआवजे के लिए सभी किसानों को एक होकर लड़ाई लड़नी होगी और आगे आंदोलन की तैयारी करनी होगी। बिजली टावर का उचित मुआवजा व जमीन का उचित मूल्य मार्केट रेट से दुगना दिलाया जाए और बिजली टावरों के तारों के नीचे की जमीन का मुआवजा राशि 60 प्रतिशत से अधिक हो, क्योंकि तोशाम क्षेत्र एनसीआर के अंदर आता है तोशाम क्षेत्र में एनसीआर व औद्योगिक क्षेत्र जैसे खानक पहाड़ व डाडम पहाड़ क्रेशर जोन, बाजार क्षेत्र, मिरान क्षेत्र में नेशनल हाईवे व नहरी क्षेत्र, बाजार क्षेत्र आदि को देखते हुए किसानों को बिजली हाई टेंशन टावर उचित मुआवजा मिलना चाहिए। इस दौरान किसानों के बीच बिजली की हाईटेंशन टावरों के बारे में बहुत सी चर्चा हुई। किसानों ने कहा कि बिजली टावरों का उचित मुआवजा के बारे किसानों की बैठक होती रहेगी और आगे आंदोलन की तैयारी करनी होगी।

ये रहे उपस्थित

इस मौके पर अखिल भारतीय किसान सभा जिला सचिव मास्टर जगरोशन, तोशाम सचिव नरेंद्र सिंह डाडम, प्रधान करण सिंह जम्हुरी किसान सभा, आजाद सिंह मीरान, ओमप्रकाश वकील मिरान, अमर सिंह, रामबीर, रमेश, महावीर, प्रदीप, सुमित, ओमप्रकाश, अतर सिंह आदि मौजूद थे। वहीं पर गांव मिरान, छप्पार जोगियान, छप्पार रंगढाण, पिंजोखरा, डाडम, गारनपुरा खूर्द, दरियापुर, बागनवाला आदि विभिन्न गांव के किसान मौजूद थे।

440 केवी हाईटेंशन लाइन से प्रभावित ग्रामीणों ने बलियाली में बनाई रणनीति

हरिभूमि न्यूज ▶▶| बवानीखेड़ा

बवानीखेड़ा क्षेत्र के अंतर्गत आने वाले गांव बलियाली के पंचायत घर में 440 केवी हाईटेंशन लाइन से प्रभावित बवानीखेडा तहसील के बलियाली, सुमरा खेडा, जाटू लोहारी तथा भिवानी तहसील के धनाना, मढाणा और बडेसरा गांवों के पीडित किसानों की बैठक बलियाली में हुई। बैठक की अध्यक्षता पंच गौरव ठकराल ने की। मुख्य वक्ता के रूप में भारतीय किसान कामगार अधिकार मोर्चा के अध्यक्ष सतेंद्र लोहचब और कर्मवीर दहिया उपस्थित रहे। सतेंद्र लोहचब ने बताया कि पूर्व में गठित मार्केट रेट कमेटी किसानों का समुचित प्रतिनिधित्व नहीं करती थी। नियुक्त वैल्यूअर द्वारा एक ही गांव की भूमि के लिए अलग-अलग दरें निर्धारित कर दी गईं। कॉरिडोर में आने वाली भूमि का मूल्यांकन टावर के नीचे आने वाली भूमि से भी कम आंका गया।

भूमि की कम लगाई कीमत

इस अन्यायपूर्ण मूल्यांकन को लेकर 'किसानों में भारी रोष और गुस्सा है। वैल्यूअर ने जिला प्रशासन के समक्ष स्वीकार किया कि भूमि की कीमत कम लगाई गई है क्योंकि किसान का मालिकाना हक बरकरार रहेगा। बैठक में सर्वसम्मति से निर्णय लिया गया कि जिला उपायुक्त को 13 मई 2026 तक का अल्टीमेटम दिया जाए। किसान अपनी बात शांतिपूर्ण तरीके से डीसी के समक्ष रखेंगे और मांग की गई कि वे शीघ्र पीड़ित किसानों के साथ बैठक करें, वर्तमान मार्केट रेट कमेटी को भंग कर पुनर्मूल्यांकन हेतु नई कमेटी का गठन करें, ताकि किसानों को उनकी भूमि का वास्तविक व उचित मूल्य मिल सके।

बी के स्कूल में श्रमिक दिवस पर छात्रों ने सांस्कृतिक कार्यक्रमों से मोहा मन

हरिभूमि न्यूज ▶▶| बवानीखेड़ा

बवानीखेड़ा। कार्यक्रम में प्रस्तुति देते विद्यार्थी।

बवानीखेडा के बी. के. वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय में श्रमिक दिवस बडे हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। विद्यालय में मुख्य अतिथि के रूप में समाज सेवी और विद्यालय प्रबंधन समिति के सदस्य सुभाष शर्मा पधारे साथ ही उपाध्यक्ष जोगेन्द्र जांगडा, सुरेश शर्मा, महाविद्यालय शिक्षण संस्थान से प्राचार्य डॉ रविंद्र राठी, सहायक प्रवक्ता डॉ. अंकित गोयल, डॉ. साक्षी एवं हर्ष पधारे। विद्यालय प्राचार्य द्वारा सभी प्रबुद्धजनों को पुष्पगुच्छ भेंट कर सम्मानित किया गया। छात्रा यशवी ने भाषण के माध्यम से बताया कि सबसे पहले मजदूर दिवस शिकागो में 1886 में एवं भारत में 1923 में मनाया गया। कक्षा सातवीं एवं कक्षा तीसरी की छात्राओं द्वारा मजदूर दिवस पर शानदार नृत्य की प्रस्तुति के माध्यम से उनके प्रति सम्मान व्यक्त किया गया। छात्रा दीया एवं कीर्ति द्वारा मंच का कुशलता पूर्वक संचालन किया गया। विद्यालय प्राचार्य पंकज कुमार मिश्रा ने कहा कि जो श्रम करता है वह सब श्रमिक है, मैं और आप सभी। विद्यालय प्रबंधन समिति के सदस्य सुभाष शर्मा ने अपने उद्बोधन में सभी श्रमिकों को इस दिवस की बधाई देते हुए कहा कि हम सबको निरंतर अपने कर्म में रत्त रहना चाहिए क्योंकि कोई भी काम छोटा बडा नहीं होता।

पत्रकार लोकतंत्र को देता है नई दिशा : वधवा

भिवानी। आज विश्व प्रेस स्वतंत्रता दिवस है। हर साल 3 मई को मनाया जाने वाला विश्व प्रेस स्वतंत्रता दिवस प्रेस का उद्देश्य दुनिया भर में स्वतंत्र और निष्पक्ष पत्रकारिता को समर्थन देना और पत्रकारों का आने वाली चुनौतियों पर जागरुकता फैलाना होता है। यह दिन संयुक्त राष्ट्र महासभा द्वारा 1993 में घोषित किया गया था, ताकि अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता को प्रोत्साहित किया जा सके। भाजपाइयों ने विश्व प्रेस स्वतंत्रता दिवस पर कलमकारों को शुभकामनाएं दी है। भाजपा के पूर्व प्रदेश सह मीडिया प्रमुख रीतिक वधवा ने कहा कि आप सभी की निष्पक्षता, निर्भीकता और स्वतंत्रता सदैव लोकतंत्र को सशक्त व समाज को नई दिशा देने का कार्य करता है।

भिवानी। विजेता टीम को सम्मानित करते हुए।

जूनियर गर्ल्स टीम ने 8 रन से दर्ज की जीत

पत्रकारिता दिवस पर संडे टी-20 मुकाबला

हरिभूमि न्यूज ▶▶| भिवानी

विश्व पत्रकारिता दिवस के अवसर पर सामाजिक संस्था नेताजी सुभाष चंद्र बोस युवा जागृति सेवा समिति एवं सदाचारी शिक्षा समिति के तत्वावधान में एक दिवसीय संडे टी-20 क्रिकेट मुकाबले का आयोजन किया गया। इस रोमांचक प्रतियोगिता में विवेकानंद हाई स्कूल की जूनियर बॉयज एवं गर्ल्स टीमों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। कार्यक्रम का शुभारंभ निदेशक सावित्री यादव ने किया, जबकि आयोजन के संयोजक राष्ट्रीय युवा पुरस्कार विजेता अशोक कुमार भारद्वाज रहे।कार्यक्रम के दौरान खिलाड़ियों ने खेल भावना के साथ-साथ सामाजिक सरोकारों का भी परिचय दिया। संस्था द्वारा चलाए जा रहे जल एवं पर्यावरण संरक्षण साक्षरता अभियान के अंतर्गत दोनों टीमों ने जल बचाने और पर्यावरण संरक्षण का संदेश देकर उपस्थित लोगों को जागरूक किया। खिलाड़ियों ने कहा कि जल और पर्यावरण की सुरक्षा आज समाज की सबसे बड़ी जिम्मेदारी है। वहीं इस अवसर पर बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ का संदेश भी दिया गया।

अनुशासन की भूमिका अहम

निदेशक सावित्री यादव एवं राष्ट्रीय युवा पुरस्कार विजेता अशोक कुमार भारद्वाज, मास्टर कपिल, दयानंद ग्रेवाल व अमन हलवास ने खिलाड़ियों के उत्साह, खेल प्रतिभा और सामाजिक जागरूकता की सराहना की। कहा कि खेल युवाओं में अनुशासन, आत्मविश्वास और सामाजिक चेतना विकसित करने का सशक्त माध्यम है।

चरखी दादरी। लोगों की समस्या सुनते विधायक सुनील सांगवान ।

विधायक सांगवान ने सुनीं समस्याएं, समाधान के निर्देश

हरिभूमि न्यूज ▶▶| चरखी दादरी

विधायक सुनील सांगवान ने रविवार को कैंप कार्यालय में लोगों से सीधा संवाद किया। इस दौरान बड़ी संख्या में लोग अपनी समस्याएं, सुझाव और मांगें लेकर पहुंचे। क्षेत्रवासियों ने पेयजल, बिजली, सड़क, सफाई, शिक्षा, स्वास्थ्य तथा अन्य जनहित से जुड़े मुद्दों को प्रमुखता से उठाया। विधायक ने समस्याओं को गंभीरता से सुना और संबंधित अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। विधायक ने कहा कि जनता से मिलना, उनकी समस्याएं सुनना और समाधान के लिए प्रयास करना उनके सार्वजनिक जीवन का सबसे महत्वपूर्ण हिस्सा है। उन्होंने कहा कि जिन समस्याओं का समाधान तुरंत संभव था, उन पर मौके पर ही संबंधित विभागों को निर्देश जारी किए।

विकास कार्य प्राथमिकता

विधायक सुनील सांगवान ने कहा कि उनका संकल्प है कि क्षेत्र के किसी भी नागरिक को मूलभूत सुविधाओं के लिए अनावश्यक इंतजार न करना पड़े। आमजन की समस्याओं का समयबद्ध समाधान उनकी प्राथमिकता है। जनता का विश्वास ही उनकी सबसे बड़ी ताकत है और इसी भरोसे के साथ क्षेत्र के विकास कार्य निरंतर किए जा रहे हैं।

मरते हुए व्यक्ति के लिए आखिरी उम्मीद रक्तदान: सांगवान

मानवता की सेवा की पहल, 20 ने किया रक्तदान, 10 ने भरे नेत्रदान के फार्म

हरिभूमि न्यूज ▶▶| भिवानी

भिवानी। रक्तदाताओं को बैज लगाकर सम्मानित करते हुए।

तेरा तुझको अर्पण के भाव और महान क्रांतिकारी शहीद-ए-आजम भगत सिंह के आदर्शों को जीवंत रखते हुए सैनी कल्याण परिषद द्वारा रविवार को एक भव्य रक्तदान शिविर का आयोजन किया गया। चौ. बंसीलाल नागरिक अस्पताल के ब्लड बैंक में आयोजित इस शिविर में ना केवल रक्त की बूंदों से जीवन बचाने का संकल्प लिया गया, बल्कि नेत्रदान के माध्यम से मरणोपरांत दुनिया को रोशन करने की नई राह भी दिखाई गई। इस दौरान शिविर में 20 लोगों ने रक्तदान किया तथा 10 ने नेत्रदान का संकल्प लिया और पंजीकरण फॉर्म भरे। इस दौरान रक्त प्रभारी ओमप्रकाश सैनी की माता ने भी देहदान का संकल्प लिया। इस दौरान सभी रक्तदाताओं को प्रमाण पत्र देकर सम्मानित किया गया। इस मौके पर मुख्य अतिथि के रूप में पहुंची डा. मोनिका सांगवान ने युवाओं और रक्तदाताओं को संबोधित करते हुए इसे मानवता का सर्वोच्च कार्य बताया।

ये रहे मौजूद

शिविर में डा. रोहित, शुभम, गुंजन, लैब टैक्नीशियन कृष्ण देवी, काउंसर शर्मिला का विशेष योगदान रहा। इस अवसर पर परिषद के मुख्य सलाहकार बीर सिंह सैनी, संगठन सचिव सुभाष चंद सैनी, सलाहकार रमेश सैनी ढ़ाणा रोड़, मनीष सैनी, सह सचिव बलवंत सैनी, वरिष्ठ उपप्रधान आजाद सैनी व रक्तदाता सोनू सैनी, सुनील सैनी, शशीकांत शर्मा, हर्ष सैनी, आशीष कुमार, मुकेश, सुनील, श्याम सुंदर, आशीष कुमार, महेंद्र, मनोज सैनी भी मौजूद रहे।

सर्वसम्मति से महेंद्र कागजी बने त्रिवेणी संस्था के अध्यक्ष

हरिभूमि न्यूज ▶▶| भिवानी

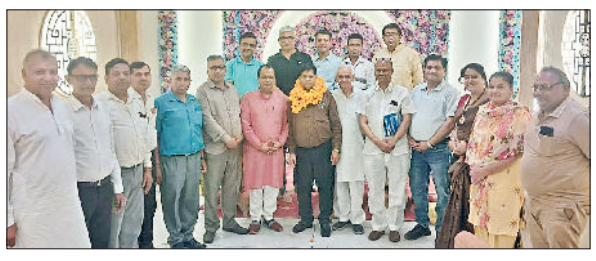

भिवानी। नवनियुक्त पदाधिकारियों को सम्मानित करते हुए।

साहित्य, संस्कृति एवं कला को समर्पित संस्था त्रिवेणी के अध्यक्ष का चुनाव संपन्न हुआ। इस दौरान अध्यक्षता गजलकार बिजेंद्र गाफिल व जिला खंड शिक्षा अधिकारी एवं संस्था के वरिष्ठ पदाधिकारी अनिल गौड़ ने की। इस अवसर पर महेंद्र कागजी को आगामी कार्यकाल के लिए अध्यक्ष चुना गया। पूर्व अध्यक्ष पूनम चंद के लंबे समय से अस्वस्थ रहने के कारण यह पद काफी समय से रिक्त था। महासचिव अनिल गौड व नव नियुक्त अध्यक्ष महेंद्र कागजी ने कहा कि साहित्य, कला और संस्कृति हमारी सभ्यता की आत्मा हैं। ये समाज को संवेदनशीलता, रचनात्मकता और नैतिक मूल्यों से जोड़ते हैं। साहित्य विचारों को दिशा देता है, कला भावनाओं को अभिव्यक्ति देती है। हमें अपनी समृद्ध परंपराओं को संजोते हुए नई पीढ़ी को इससे जोड़ना चाहिए, ताकि राष्ट्र की सांस्कृतिक विरासत निरंतर समृद्ध होती रहे। संस्था त्रिवेणी ने भिवानी की माटी, बागड़ भूमि, कविता वली, धरा के बोल, लघुकथा संग्रह, कविता संग्रह जैसी नामचीन पुस्तकों का प्रकाशन किया है।

धार्मिक कार्यक्रम समाज को करते हैं एकजुट: अत्री

बवानीखेड़ा। श्री श्याम बाबा धर्मार्थ ट्रस्ट में गरिमामय समारोह का आयोजन किया गया, जिसमें नगर पालिका अध्यक्ष सुंदर अत्री का पगड़ी पहनाकर सम्मान किया गया। कार्यक्रम का माहौल श्रद्धा, सम्मान और सामाजिक एकता की भावना से ओत-प्रोत रहा। इस अवसर पर ट्रस्ट के नवनियुक्त पदाधिकारियों का भी विशेष रूप से सम्मान किया गया। नगर पालिका अध्यक्ष सुंदर अत्री ने ट्रस्ट के नव नियुक्त प्रधान रामफल शर्मा, कोषाध्यक्ष कृष्ण कुमार एवं सचिव नरेंद्र कुमार को पगड़ी पहनाकर तथा शाल ओढ़ाकर सम्मानित किया । सुंदर अत्री ने कहा कि सामाजिक एवं धार्मिक संस्थाएं समाज को एकजुट रखने और सेवा भावना को बढ़ावा देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती हैं।

मार्केट न्यूज

बामला में एमके हॉस्पिटल, भिवानी द्वारा निःशुल्क मेगा स्वास्थ्य शिविर का सफल आयोजन।

भिवानी। एमके हॉस्पिटल, भिवानी द्वारा बामला गांव में एक विशाल निःशुल्क मेगा स्वास्थ्य जांच शिविर का सफल आयोजन किया गया। यह शिविर रविवार, 3 मई को बड़ी परस बामला 1 में आयोजित किया गया, जिसमें ग्रामीणों ने बढ़-चढ़कर भाग लिया और अपने स्वास्थ्य की निःशुल्क जांच करवाई। इस स्वास्थ्य शिविर में 220 से अधिक मरीजों ने विभिन्न रोगों की जांच करवाई एवं विशेषज्ञ डॉक्टरों से परामर्श प्राप्त किया। शिविर में एमके हॉस्पिटल के अनुभवी व प्रशिक्षित डॉक्टर हड्डी एवं जोड़ प्रत्यारोपण विशेषज्ञ यूरो सर्जरी विशेषज्ञ कान नाक गला रोग विशेषज्ञ स्त्री एवं प्रसूति रोग विशेषज्ञ हृदय रोग विशेषज्ञ नेत्र रोग विशेषज्ञ बाल एवं नवजात शिशु रोग विशेषज्ञ जनरल, लेप्रोस्कोपिक एवं गैस्ट्रो सर्जरी विशेषज्ञ सामान्य चिकित्सा एवं मधुमेह रोग विशेषज्ञ उपस्थित रहे। मरीजों को मुफ्त मैमोग्राफी, ईसीजी, बीएमडी, शुगर जांच, न्यूरोपैथी की सुविधा प्रदान की गई। इसके साथ-साथ जरूरतमंद मरीजों को "निःशुल्क दवाइयां" भी वितरित की गईं। शिविर के दौरान ग्रामीणों को स्वास्थ्य के प्रति जागरूक किया गया तथा समय पर जांच और उपचार के महत्व की जानकारी दी गई। सभी ग्रामीणों ने एमके हॉस्पिटल, भिवानी एवं अस्पताल की पूरी टीम द्वारा दी जा रही सेवाओं की सराहना की और इस जनहितकारी पहल के लिए धन्यवाद व्यक्त किया। एमके हॉस्पिटल, भिवानी भविष्य में भी इसी प्रकार समाजहित में निःशुल्क स्वास्थ्य शिविरों का आयोजन करता रहेगा।

हरिभूमि
आवश्यक सूचना
जिन पाठकों को अखबार मिलने में किसी भी प्रकार की असुविधा हो रही हो या उनके घर में कोई अन्य अखबार दिया जा रहा हो वह इन टेलीफोन नम्बरों पर सम्पर्क करें या व्हाट्सअप करें :-
हरिभूमि, शॉप नं. 47, इम्प्रूवमेंट ट्रस्ट मार्केट, भिवानी
फोन नं. : 8814999151, 9253681005

मृत्यु अंत नहीं है
मृत्यु कभी भी अंत नहीं हो सकती
मृत्यु एक पथ है, जीवन एक यात्रा है
आत्मा पथ प्रदर्शक है।
हरिभूमि
राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक
इस शोकाकुल समय में हम आपके सहभागी हैं।
तेरहवीं/श्रद्धान्जलि/शोक संदेश
आप अर्पित कीजिये अपने श्रद्धा-सुमन हरिभूमि के माध्यम से

साईज	संस्करण	विशेष छूट राशि
5 X 8 सें.मी 10X 8 सें.मी	स्थानीय संस्करण के अन्दर के पृष्ठ पर	रु. 2000/- रु. 2500/-

+5% GST Extra
नोट : विशेष छूट राशि केवल उपरोक्त साईज पर मान्य। अन्य किसी साईज के लिए कार्ड रेट लागू।
अधिक जानकारी के लिए सम्पर्क करें
भिवानी : हरिभूमि, शॉप नं. 47, इम्प्रूवमेंट ट्रस्ट मार्केट, भिवानी
फोन : 8814999170, दादरी : 9253681008

पतराम गेट व रामगंज मोहल्ला के लिए अलग-अलग की पाइप लाइन की व्यवस्था

हनुमान से हलवास गेट तक पाइप लाइन बनी खतरा: भारद्वाज

हरिभूमि न्यूज ▶▶| भिवानी

भिवानी। लाइन दुरुस्त करने के लिए सड़क खोदती एक जेसीबी।

हनुमान गेट क्षेत्र में लंबे समय से राष्ट्रीय राजमार्ग 709 ई पर सड़क धंसने और बार-बार वाटर सप्लाई पाइपलाइन टूटने की गंभीर समस्या के समाधान के लिए अब स्थायी कार्य शुरू हो गया है। कल उपभोक्ताओं को स्वच्छ पेयजल सुचारू रूप से सप्लाई कर दिया जाएगा। । अशोक कुमार भारद्वाज ने कहा कि दिल्ली, पिलानी और राजस्थान की ओर जाने वाले हजारों यात्रियों को भारी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा था। आज परीक्षा देने पहुंचे विद्यार्थियों को यहां जाम का सामना करना पड़ा। भारद्वाज ने इस समस्या को मुख्यमंत्री सैनी, सांसद धर्मवीर सिंह, विधायक घनश्याम सर्राफ तथा जिला प्रशासन के समक्ष उठाया। मामले की गंभीरता को देखते हुए सांसद धर्मवीर सिंह ने संबंधित अधिकारियों और प्रशासन के साथ बैठक कर त्वरित समाधान के निर्देश दिए। आज रात्रि तक इस समस्या पर काफी हद तक काम हो जाएगा।

पेयजल की रुकेगी बर्बादी

अशोक भारद्वाज ने कहा कि इस समाधान से हजारों लीटर पेयजल की बर्बादी रुकेगी, सीवरेज मिश्रित जल की समस्या समाप्त होगी और रामगंज मोहल्ला, पतराम गेट बस्ती, हनुमान गेट , पीपली वाली जोहड़ी मार्ग, अम्बेडकर कालोनी, बाल्मीकि बस्ती, टिब्बा बस्ती सहित आसपास के क्षेत्रों को स्वच्छ पेयजल उपलब्ध होगा। उन्होंने कहा कि बार-बार पाइपलाइन टूटने और सड़क धंसने की समस्या भविष्य में बड़े हादसे का कारण बन सकती थी। संबंधित विभाग के जेई ताज ने भी आश्वासन दिया है कि जल्द ही इस समस्या का पूर्ण स्थायी समाधान कर दिया जाएगा।

शिक्षा संस्कार चरित्र निर्माण
आर्यन कोचिंग
स्थाई एकेडमी (विश्वास का दूसरा नाम)
12वीं के बाद सरकारी नौकरी
नया बैच आरम्भ
अग्निवीर SSC रेलवे
हरियाणा पुलिस हरियाणा ग्रुप-डी CET
AIRFORCE NAVY ARMY
पता : बस स्टैंड के पास, चरखी दादरी
9050035973, 9812611926